RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

बाकी में भी था मगर, थोड़ी थी मिकदार।
लेकिन थी छब्बीस में, जल की फुल भरमार।
जल की फुल भरमार, सभी में नीर मिलाया।
बिना मिलावट नहीं, एक भी सैंपल पाया।
कह साहिल कविराय, कभी ना रोके खाकी।
पानी डाला करें, दूध में जितने बाकी।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 197 | SUNDAY DATE 09-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

रेखा गुप्ता ने कांवड़ सेवा शिविरों का किया निरीक्षण

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली-उत्तर प्रदेश बॉर्डर स्थित कांवड़ सेवा शिविरों का दौरा कर शिवभक्तों का स्वागत किया। श्रीमती रेखा गुप्ता ने इस दौरान कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं से संवाद कर उनकी यात्रा और सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सेवा कार्य में जुटे शिविर संचालकों और कार्यकर्ताओं से बातचीत की तथा उनके सेवा भाव की सराहना की। मुख्यमंत्री ने शिवभक्तों की आवश्यकताओं और शिविरों में की गई व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार प्रत्येक शिवभक्त की कांवड़ यात्रा को सरल, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से आवश्यक व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने सेवा शिविरों में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, विधायक संजय गोयल, जितेंद्र महाजन सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त और कांवड़ सेवा में समर्पित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

350 करोड़ की यूनिफॉर्म खरीदी पर अंतरिम रोक

जबलपुर, यूटर्न/ 08 अगस्त । जबलपुर हाईकोर्ट ने सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए 350 करोड़ रुपए की यूनिफॉर्म खरीदी प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाई है। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जबाब मांगा है। यह टेंडर पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा निकाला गया था। जबलपुर हाईकोर्ट में अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग पावरलूम बुनकर संघ सहित तीन संगठनों ने याचिका दायर कर दलील दी कि यह टेंडर प्रक्रिया भंडार क्रय नियम-2023 का खुला उल्लंघन है। याचिकाकाताओं के अनुसार, इन नियमों में राज्य के हथकरघा बुनकरों, सहकारी समितियों और महिला समूहों जैसे स्थानीय उपक्रमों से सीधी खरीदी का प्रावधान है। खुले टेंडर के जरिए हो रही खरीदी से मध्य प्रदेश के पावरलूम और स्पिनिंग मिलों से जुड़े करीब 2 लाख बुनकर परिवारों की आजीविका पर गंभीर संकट पैदा हो गया है, जिस पर अब कोर्ट ने रोक लगा दी है।

देवास के तेल कारोबारी की 19.44 करोड़ की संपत्ति कुर्क, यूपी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मथुरा, यूटर्न/ 08 अगस्त । मथुरा पुलिस ने रिफाइनरी पाइपलाइन से तेल चोरी के 3 साल पुराने मामले में मध्य प्रदेश के देवास निवासी तेल कारोबारी अशोक जैन की करीब 19 करोड़ 44 लाख 16 हजार रुपये की संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की है। मथुरा पुलिस की टीम सोनकच्छ प्रशासन के सहयोग से देवास पहुंची और तहसील की जमीनों के साथ-साथ एक पेट्रोल पंप को सील किया गया। कुर्क की गई संपत्तियों पर मथुरा जिला मजिस्ट्रेट के आदेश का बोर्ड चस्पा करने के साथ ही संबंधित गांवों में मुनादी भी कराई गई। करीब तीन साल पहले मथुरा के सेरसा गांव के करीब रिफाइनरी की मुख्य पाइपलाइन में सेंध लगाकर बड़े पैमाने पर तेल चोरी की गई थी। इस मामले के खुलासे के बाद पुलिस ने गिरोह के 11 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के समय आरोपियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग भी की थी।

युवा प्रतिभाओं का इंतजार कर रहे एआई, डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्र : मोदी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा सेंटर, क्रिटिकल मिनरल्स, डीप सी एक्सप्लोरेशन, बैटरी, पावर स्टोरेज, एनर्जी सिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे अनेक क्षेत्र देश के युवाओं की प्रतिभा, नवाचार और नेतृत्व का इंतजार कर रहे हैं। श्री मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ऐसे समय में विकसित भारत की यात्रा पर आगे बढ़ रहा है जब दुनिया तेजी से बदल रही है और इस बदलाव के पीछे सबसे बड़ी ताकत प्रौद्योगिकी की गति है।

उन्होंने कहा कि आने वाले 20-30 वर्षों की दुनिया कैसी होगी, यह निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता, लेकिन बदलाव के दौर में चुनौतियों के साथ नये अवसर भी पैदा होते हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया बदलेगी, प्रौद्योगिकी भी बदलेगी, उद्योग बदलेगा, पेशे भी बदलेंगे। लेकिन, इन सबके बीच मेरी बात याद रखिएगा, जो सीखेगा, वह जीतेगा।

जो नयी चुनौतियों के नये उपाय खोजने का साहस रखेगा, चुनौतियां उसके लिए अवसर बन जाएंगे।' श्री मोदी ने कहा कि आईआईटी से मिलने वाली डिग्री केवल परीक्षा पास करने, अच्छा सीजीपीए हासिल करने या अच्छा प्लेसमेंट पाने का प्रमाण नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि विद्यार्थी कठिन समस्याओं का समाधान करना जानते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में जब कोई चुनौती बड़ी लगे तो उससे घबराने के बजाय उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाधान तलाशना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि देश के युवाओं के सामने आने वाले वर्षों में नई तकनीकों और क्षेत्रों में काम करने के व्यापक अवसर होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की आधुनिक नीतियों के कारण ऐसे कई क्षेत्र युवाओं के लिए खुले हैं, जहां पहले प्रवेश के अवसर सीमित थे और देश में नये-नये क्षेत्र भी बन रहे हैं।

भारत का मेड-टेक इकोसिस्टम तेजी से हो रहा मजबूत, घरेलू विनिर्माण और सरकारी योजनाओं से मिली नई ताकत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत के तेजी से विकसित हो रहे मेडिकल टेक्नोलॉजी (मेड-टेक) क्षेत्र की सराहना करते हुए कहा कि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा, आयात पर निर्भरता में कमी और सरकार की विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के कारण भारत एक भरोसेमंद वैश्विक मेड-टेक साझेदार के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा द्वारा लिखे गए एक लेख को साझा किया, जिसमें भारत में मेडिकल डिवाइस निर्माण क्षेत्र में हुए बदलावों और आत्मनिर्भर मेड-टेक इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में हुई प्रगति को रेखांकित किया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत का मेड-टेक क्षेत्र घरेलू उत्पादन, आयात निर्भरता में कमी और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना तथा मेडिकल डिवाइस पार्कों जैसी सरकारी पहलों के बल पर लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लक्ष्य के साथ वैश्विक स्तर पर एक विश्वसनीय मेड-टेक भागीदार बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अपने लेख में जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार मेडिकल उपकरणों के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, जिनमें पीएलआई योजना, मेडिकल डिवाइस पार्क, और फार्मा-मेडटेक में अनुसंधान एवं नवाचार संवर्धन (पीआरआईपी) योजना प्रमुख हैं।

सांसद राघव चड्ढा ने की मोदी से शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं राज्य सभा सदस्य राघव चड्ढा ने शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। श्री चड्ढ़ा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर श्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'एक सुबह जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का सौभाग्य मिला। इस दौरान विस्तृत और समृद्ध बातचीत हुई।

घर लौटते समय सरिता विहार के उफनते नाले में बहा युवक, तलाश जारी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त । दिल्ली के सरिता विहार पुलिस स्टेशन के इलाके में आने वाले आली गांव के प्रियंका कैंप के पास, एक 18 साल का युवक नाले के तेज बहाव के साथ बह गया और लापता हो गया। यह घटना शुक्रवार रात को हुई, जब वह दिल्ली-एनसीआर इलाके में भारी बारिश के बीच नोएडा से घर लौट रहा था और फिसल गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 7 अगस्त को सरिता विहार पुलिस स्टेशन में एक लड़के के नाले में बहने की सूचना देने वाली एक पीसीआर कॉल आई।

'आप' का दिल्ली सरकार पर आरोप, करोड़ों रुपए के दवा घोटाले में भी हुआ घोटाला

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

दिल्ली में कथित 650 करोड़ रुपए के दवा घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर दिल्ली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दवा घोटाले के अंदर भी एक और बड़ा घोटाला हुआ है। उनका दावा है कि दिल्ली सरकार की ओर से खरीदी गई दवाइयों का एक बड़ा हिस्सा अस्पतालों तक पहुंचा ही नहीं और दवाइयों की सप्लाई केवल सरकारी फाइलों और दस्तावेजों में दिखाई गई।

सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि करीब 100 करोड़ रुपए की दवाइयों को कथित तौर पर 400 करोड़ रुपए में खरीदा गया, जिससे लगभग 300 करोड़ रुपए की कमीशनखोरी का आरोप सामने आया है। उन्होंने कहा कि अब इस मामले में एक और गंभीर पहलू सामने आया है। उनके मुताबिक, जिन दवाइयों को अस्पतालों तक पहुंचना था, उनमें से भी बड़ी मात्रा अस्पतालों में वास्तविक रूप से उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के सरदार वल्लभ भाई पटेल अस्पताल से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद इस मामले पर और सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरोप है कि अस्पताल की फाइलों में लाखों रुपए की दवाइयां मंगाए जाने और पहुंचाए जाने का रिकॉर्ड दर्ज है, लेकिन जब इन दवाइयों की वास्तविक उपलब्धता की जांच की गई तो वह अस्पताल में मौजूद नहीं मिलीं। सौरभ भारद्वाज ने इसे भ्रष्टाचार का एक और गंभीर स्तर बताया।

सर्वसम्मति से 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून लागू करे सरकार : राहुल गांधी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है और कांग्रेस ने इसका पूर्ण समर्थन किया था।

श्री गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, 'रिजिजू जी, संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते आपसे बेहतर यह कौन जानता होगा-महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है, कांग्रेस के पूर्ण समर्थन के साथ।'

उन्होंने सवाल किया कि तीन साल बाद भी वह लागू क्यों नहीं हुआ और अब सरकार उस कानून को परिसीमन से बेवजह क्यों जोड़ना चाहती है। उन्होंने कहा 'आप 2023 का यह कानून लागू कीजिए। बिना किसी शर्त के।'

इससे पहले श्री रिजिजू ने लिखा था कि कांग्रेस की ओर से यह सकारात्मक संदेश है। श्री गांधी के महिलाओं को लेकर रुख में बदलाव दिखाई दे रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि कांग्रेस महिला आरक्षण विधेयक का बिना किसी शर्त के समर्थन करेगी।

अमित शाह का आरबीआई और सहकारी बैंकों को संदेश, आपसी भरोसे से मजबूत होगा सेक्टर

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल के वर्षों में शहरी सहकारी बैंकों के प्रति सहयोगात्मक रवैया अपनाया है। उन्होंने दोनों पक्षों से एक-दूसरे के प्रति लंबे समय से बनी धारणाओं से आगे बढ़कर इस क्षेत्र को मजबूत बनाने की अपील की। मुंबई में नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के नए कार्यालय भवन के उद्घाटन

समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि शहरी सहकारी बैंक और आरबीआई को अधिक विश्वास और भरोसे के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब भी सरकार और सहकारी बैंकिंग क्षेत्र ने सकारात्मक तरीके से आरबीआई से संपर्क किया, तब केंद्रीय बैंक ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। अमित शाह ने आरबीआई द्वारा उठाए गए कई कदमों का उल्लेख किया। इनमें शाखाओं के विस्तार संबंधी नियमों में ढील देना, घर-घर बैंकिंग सेवाओं की अनुमति देना, यूसीबी को डिमांड ड्राफ्ट और जीवन प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति देना तथा इस क्षेत्र के लिए एक समर्पित नोडल अधिकारी की नियुक्ति शामिल है। उन्होंने शहरी सहकारी बैंकों के लिए हाल ही में किए गए नियामकीय सुधारों का भी स्वागत किया। इनमें गोल्ड लोन की सीमा बढ़ाना और वन-टाइम सेटलमेंट की व्यवस्था लागू करना शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान में शहरी सहकारी बैंकों में 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक की जमा राशि मौजूद है।

संक्षिप्त खबरें

निवेश के नाम पर 1.32 करोड़ रुपये हड़पे

गाजियाबाद, यूटर्न/ 08 अगस्त । कविनगर क्षेत्र निवासी मां-बेटे से कारोबार में निवेश के नाम पर 12 प्रतिशत ब्याज देने का झांसा देकर 1.32 करोड़ रुपये ऋण के रूप में लेकर हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि समय पूरा होने के बाद रकम लौटाने के बजाय टालमटोल करने लगे। मामले में कविनगर सी-ब्लॉक निवासी राकेश शर्मा ने कविनगर थाने में विनय शर्मा, महेश शर्मा, भव्य अरोड़ा और साहदेव के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित राकेश शर्मा के मुताबिक उन्होंने और उनकी 78 वर्षीय मां कृष्णा शर्मा ने अक्तूबर 2024 में पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ स्थित नेशनल फोर्जिंग्स कंपनी को ऋण दिया था। कंपनी में विनय शर्मा, महेश कुमार शर्मा, भव्य अरोड़ा और साहदेव साझेदार थे। समझौते के अनुसार कंपनी को दी गई रकम पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दिया जाना था। उन्होंने 33 लाख रुपये और उनकी मां कृष्णा शर्मा ने एक करोड़ दो लाख पचास हजार रुपये कंपनी को दिए थे। मार्च 2026 में कंपनी के एक साझेदार विनय शर्मा के रिटायर होने के बाद जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने बहाने बनाकर टालना शुरू कर दिया। पहले बताया गया कि भुगतान के लिए जारी किए गए चेक दूसरे साझेदार अपने साथ ले गए हैं। इसके बाद चेक का स्टॉप पेमेंट कराने के लिए ई-मेल कराने को कहा गया। आरोप है कि सात अप्रैल 2026 को महेश कुमार शर्मा ने उनके खाते में केवल तीन लाख रुपये भेजे और भरोसा दिया कि बाकी पूरी रकम जल्द ही आरटीजीएस के माध्यम से वापस कर दी जाएगी। बाद में आरोपियों ने एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालनी शुरू कर दी और उन्हें लगातार गुमराह करते रहे। परेशान होकर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। एसीपी का कहना है कि शिकायत के आधार पर सात अगस्त को केस दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

भाई-भाभी पर घर से निकालने और संपत्ति पर कब्जा करने का आरोप

गाजियाबाद, यूटर्न/ 08 अगस्त । दो भाइयों में संपत्ति बंटवारे को लेकर कई दिनों से विवाद जारी है। कमलेंदु गुप्ता ने अपने भाई और भाभी पर पैतृक मकान से बेदखल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि उनके भाई-भाभी पूरे मकान पर कब्जा करना चाहते हैं। कमलेंदु गुप्ता के अनुसार, उनकी 85 वर्षीय बुजुर्ग मां कुसुमलता से भी किसी को मिलने नहीं दिया जा रहा है। यह मामला पुराना आर्यनगर का है। आरोप है कि 18 जुलाई से वह पैतृक मकान के बाहर सामान सहित रह रहे हैं लेकिन पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी उनकी सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

पत्नी की गैर इरादतन हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने सेक्टर-168 से दबोचा

» **नोएडा, यूटर्न/ 08 अगस्त ।**

नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने की पुलिस ने पत्नी की गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को शनिवार को छपरौली टी-प्वाइंट, सेक्टर-168 नोएडा से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान करीब 40 वर्षीय ढेना लोहरा पुत्र होपना लोहरा के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी मूलरूप से झारखंड के साहिबगंज जिले का रहने वाला है और वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-168 स्थित निम्बस अरिस्टा के लेबर कैंप की झुग्गी में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, मामला 31 जुलाई 2026 का है। उस दिन आरोपी ढेना लोहरा का अपनी पत्नी गीता कुमारी के साथ किसी बात को

लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान हुई मारपीट और घटनाक्रम में गीता कुमारी की गैर इरादतन मौत हो गई।

घटना के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। इसके संबंध में वादी की ओर से 1 अगस्त 2026 को थाना एक्सप्रेसवे में लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया। प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर तलाश और जानकारी जुटाने का काम किया। इसी क्रम में शनिवार को पुलिस को आरोपी के सेक्टर-168 क्षेत्र में मौजूद होने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छपरौली टी-प्वाइंट, सेक्टर-168 नोएडा से आरोपी ढेना लोहरा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पुलिस मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का स्थायी पता बरा खट्टा पानी, थाना तालझारी, जिला साहिबगंज, झारखंड है। वह पिछले कुछ समय से नोएडा में रहकर मजदूरी से जुड़ा काम कर रहा था और सेक्टर-168 स्थित निम्बस अरिस्टा के लेबर कैंप की झुग्गी संख्या 127 में रह रहा था।

पुलिस का कहना है कि मामले में आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के कारणों और विवाद से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच भी की जा रही है।

जेपी नड्डा से मिले निशांत कुमार

स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने पर हुई विस्तृत चर्चा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त ।**

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बिहार में स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों तथा राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में चल रही विभिन्न पहलों की जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, आधुनिकीकरण और गुणवत्ता में सुधार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

मुलाकात के बाद निशांत कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बिहार में स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान रेफरल व्यवस्था को बेहतर बनाने, सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों और ट्रॉमा सेंटरों के विस्तार सहित स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। खासकर गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जरूरत पड़ने पर समय पर उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि रेफरल व्यवस्था को मजबूत करने से मरीजों को इलाज के लिए एक स्वास्थ्य केंद्र से दूसरे केंद्र तक जाने में होने वाली परेशानियों को कम किया जा सकेगा। वहीं, सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों और ट्रॉमा सेंटरों के विस्तार से गंभीर मरीजों को राज्य में ही बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। निशांत कुमार ने कहा कि बिहारवासियों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ अस्पतालों के आधुनिकीकरण, चिकित्सा सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार और आवश्यक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ बिहार के संकल्प को साकार करने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं आधुनिकीकरण के साथ उनकी गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा रहा है। राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, ताकि बिहार के लोगों को समय पर बेहतर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

तेज रफ्तार टैंपो ने बाइक को टक्कर मारी, युवती-युवती घायल

साहिबाबाद, यूटर्न/ 08 अगस्त । तेज रफ्तार टैंपो चालक ने लिंक रोड थानाक्षेत्र के वन विभाग कट के पास बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक-युवती घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रामधन निवासी सोनीपत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी निशा गाजियाबाद में नौकरी करती हैं। वह अपने साथी अभिषेक के सात दो अगस्त की रात करीब साढ़े नौ बजे बाइक से खाना खाने जा रही थी। वन विभाग कट के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे टैंपो ने टक्कर मार दी। घटना के बाद से निशा का मोबाइल भी गायब है। उधर आरोपी चालक घटना को अंजाम देने के बाद टैंपो लेकर भाग गया।

गोकशी के आरोपी गिरफ्तार, दूसरे की तलाश

लोनी, यूटर्न/ 08 अगस्त । लक्ष्मी गार्डन कॉलोनी में गोकशी की वारदात के आरोपी को बृहस्पतिवार रात को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अभी मुख्य आरोपी भागा हुआ है और पुलिस ने जल्द ही गिरफ्तार करने का दावा किया है। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्या ने बताया कि तीन अगस्त की रात गुलफाम के मकान में प्रतिबंधित पशु वध की सूचना पर हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता ने हंगामा किया था। पुलिस को मकान से प्रतिबंधित पशुओं के अवशेष, पॉलीथीन में रखा मांस और एक मालवाहक वाहन बरामद हुआ था। पुलिस ने मौके से छोटी नाम की महिला को गिरफ्तार किया था और बीते मंगलवार को मुठभेड़ के बाद अय्यूब निवासी लक्ष्मी गार्डन को गिरफ्तार किया था।

प्रवेश वर्मा की मानहानि शिकायत पर कोर्ट ने सौरभ भारद्वाज को भेजा नोटिस, 18 अगस्त को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त । दिल्ली सरकार के मंत्री और भाजपा नेता प्रवेश वर्मा की मानहानि शिकायत पर राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। प्रवेश वर्मा ने सौरभ भारद्वाज के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दायर की थी। आरोप है कि सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर प्रवेश वर्मा और उनके परिवार पर झूठे और निराधार आरोप लगाए थे। याचिका के अनुसार, सौरभ भारद्वाज ने झूठा आरोप लगाया था कि प्रवेश वर्मा ने बतौर मंत्री अपने पद का गलत इस्तेमाल कर अपने कथित सहयोगी को लगभग पांच सौ करोड़ रुपए के एक निजी स्कूल ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्त किया। सौरभ भारद्वाज ने यह भी कहा था कि प्रवेश वर्मा ने स्कूल के कर्मचारियों के पक्ष में काम किया, जो पॉक्सो केस में आरोपी है।

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बालक में तृतीय हरियाणा गर्ल्स बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर का भव्य स्वागत

» **हरियाणा, यूटर्न/ 08 अगस्त ।**

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बालक खण्ड बरवाला जिला हिसार में तृतीय हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर श्री ज्ञान प्रकाश पांडे के विद्यालय आगमन पर भव्य स्वागत किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री रमेश यादव एवं वरिष्ठ अध्यापकों ने उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर सम्मानित किया।

इसके उपरांत एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत करते हुए श्री पांडे की विद्यालय सभागार तक अगुवाई की। सभागार में विद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं स्टाफ सदस्य उनके प्रेरणादायी विचार सुनने के लिए उपस्थित रहे।

विद्यालय के प्राचार्य श्री रमेश यादव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए श्री ज्ञान प्रकाश पांडे का विद्यार्थियों से परिचय करवाया। अपने संबोधन में श्री पांडे ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं समय प्रबंधन के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को देश सेवा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य निर्माण का महत्वपूर्ण समय है, इसलिए इसका सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने संबोधन के दौरान श्री पांडे ने विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स को गणतंत्र दिवस परेड में खंड स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी तथा उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के अंत में गणित प्रवक्ता श्री सुनील कुमार ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर एनसीसी सीटीओ श्रीमती मीना कुमारी, हिंदी प्रवक्ता श्री सतीश कुमार, श्रीमती नीलम, श्रीमती पूनम, श्री संदीप कुमार, श्रीमती पूनम, सुख सहायक श्री वेद प्रकाश तथा श्री अनिल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ऑटो और मालवाहक वाहन की टक्कर में बुजुर्ग की मौत, तीन घायल

लोनी, यूटर्न/ 08 अगस्त । दिल्ली-सहारनपुर मार्ग बार्डर थानाक्षेत्र में शुक्रवार शाम को तेज रफ्तार मालवाहक वाहन और ऑटो के बीच टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो सवार बुजुर्ग की मौत हो गई और दोनों वाहनों के चालकों समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बुजुर्ग के परिजनों को सूचना दे दी और आगे की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। लोनी सोनिया नगर निवासी महेश चंद्र (61) परिवार के साथ रहते थे और शुक्रवार शाम को वह ऑटो से अपने घर जा रहे थे। ऑटो इंद्रापुरी कॉलोनी निवासी अनुज का था। ऑटो में रमेश चंद निवासी विकास कुंज कॉलोनी में रहने वाले भी बैठे थे। दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर पहुंचे तो सामने से आ रहे मालवाहक वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो चालक अनुज, रमेश चंद व महेश चंद गंभीर रूप से घायल हो गए। मालवाहक वाहन चालक अमित पाल निवासी शिवाल खास मेरठ भी हादसे में घायल हो गया। घटना की जानकारी आसपास के लोगों ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में उपचार के दौरान डॉक्टरों ने महेश चंद को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि हादसे में मृत बुजुर्ग के परिजन को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में परिजन की ओर से शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी योजना लाभ के लिए ग्रांटली बनाने वाला इंटर का छात्र राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु नामांकित

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 08 अगस्त ।किसी भी देश के उज्जवल भविष्य का आधार उसके मेधावी छात्र ही हुआ करते हैं। यहां के ऐसे ही एक बहुत प्रतिभाशाली और मेधावी छात्र का नाम है - विहान झुनझुनवाला, जिसके द्वारा स्थापित निःशुल्क मंच 'ग्रांटली' छात्रों, महिलाओं, श्रमिकों समेत सभी पात्र परिवारों को उनकी भाषा में सरकारी योजनाओं एवं छात्रवृत्तियों तक पहुँचाता है, और अब होनहार बिरवान के होत चीकने पात की लोक कहावत को चरितार्थ करते हुए जन सेवा में अग्रणी लोक कल्याणकारी अपने निःशुल्क मंच ग्रांटली के माध्यम से कानपुर का नाम रोशन करने वाले इस छात्र विहान झुनझुनवाला को अब प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु नामांकित भी किया गया है। जहां तक इस होनहार छात्र विहान झुनझुनवाला की सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने वाले उनके निःशुल्क मंच 'ग्रांटली' का सवाल है। यह देश और समाज के हित में बहुत महत्वपूर्ण और लाभदायी इस लिए है ,क्योंकि हर साल करोड़ों रुपये की सरकारी योजनाएँ अनुपयोगी रह जाती हैं ,क्योंकि ग्रांटली से पहले किसी ने योजनाओं के पात्रों की उनकी भाषा एवं तरीके से नहीं समझाया जो उनके लिए सुलभ हो। यही वजह है कि सरकारी योजनाओं का लाभ और उसके पात्रों के बीच बहुत बड़ी दूरी है। और इसी दूरी को पाटने के लिए जाने-माने उद्योगपति, व्यवसाई और प्रखर समाज सेवी मयंक झुनझुनवाला के सुपुत्र द दून स्कूल, देहरादून के कक्षा 12 के बहु प्रतिभाशाली छात्र विहान झुनझुनवाला ने इस गर्मी हर किसी मसलन छात्रों, महिलाओं, श्रमिकों एवं सभी परिवारों के लिए जनहित में इस बहु उपयोगी वह भी पूर्ण रूप से निःशुल्क गैर-व्यावसायिक मंच 'ग्रांटली' की शुरूआत की, जिसकी हिंदी-प्रथम वेबसाइट पर एक पात्रता-जाँच टूल, एक व्हाट्सऐप हेल्पलाइन, तथा टीम द्वारा कानपुर भर में आयोजित प्रत्यक्ष सत्र भी उपलब्ध हैं। प्रत्येक योजना-तथ्य के साथ उसका आधिकारिक सरकारी स्रोत एवं 'अंतिम सत्यापन तिथि' भी जुड़ी है। द दून स्कूल, देहरादून के कक्षा12 के छात्र विहान इसे एक अनिवार्य अनुशासन बताते हैं। सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में लगातार सफल संस्थापक छात्र विहान एवं प्रशिक्षित छात्र एवं सामुदायिक स्वयंसेवकों की टीम द्वारा संचालित निःशुल्क मंच ग्रांटली 250 लोगों तक पहुँच के रूप में विद्यालयों/महाविद्यालयों में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पंजीकरण पर छात्रवृत्ति-सहायता शिविर,स्वयं सहायता समूह, कौशल-विकास एवं ऋण योजनाओं पर महिला आजीविका कार्यशालाएं,तथा लघु व्यवसायियों हेतु ग्रीन-फाइनेंस एवं एम एस एम योजनाओं समेत कई मोर्चों पर फैला है।

दैनिक जागरण के समाचार संपादक राकेश क्रांति के पिता के निधन पर जताया शोक

हरियाणा, यूटर्न/ 08 अगस्त । दैनिक जागरण के समाचार संपादक राकेश क्रांति के पिता श्री कृष्ण लाल (78) के निधन पर हिसार प्रेस क्लब ने गहरा दुख प्रकट किया है। इस संबंध में प्रेस क्लब की कार्यकारिणी की एक विशेष बैठक क्लब के सरंक्षक देवेंद्र उप्पल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान प्रेस क्लब के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शोक व्यक्त करते हुए प्रेस क्लब के प्रधान राज पराशर ने कहा, कृष्ण लाल जी बहुत ही मिलनसार और सहृदय व्यक्तित्व के धनी थे। उनका जाना एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने बताया कि श्री कृष्ण लाल पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ मतलोडा में हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 08 अगस्त ।सीटू मजदूर संगठन के नेतृत्व में नई अनाज मंडी मतलोडा के अंदर भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र व राज्य सरकारों की मजदूर किसान कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ कार्यकर्ता सम्मेलन किया गया। सीटू से संबंधित आशा वर्कर यूनियन, मिड डे मील वर्कर यूनियन, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियनों के सक्रिय कार्यकर्ता शामिल हुए। सर्वसम्मति से लिया निर्णय 10 अगस्त सरकार के खिलाफ होने वाला देशव्यापी विरोध प्रदर्शन जेल भरो कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में स्कीम वर्क्स और ग्रामीण सफाई कर्मचारी लघु सचिवालय पानीपत कार्यक्रम में हिस्सेदारी करने का किया ऐलान। कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता आशा वर्कर्स यूनियन की पूर्व प्रधान पिंकी, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन की ब्लॉक प्रधान सरोज देवी, मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की जिला सचिव कविता ने की।

*कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीटू राज्य सचिव सुनील दत्त ने कहा कि भाजपा सरकार की तानाशाही के खिलाफ नारे लगाते हुए अपने संबोधन की शुरूआत की।*हर जोर जुल्म की टक्कर में, संघर्ष हमारा नारा है, जो हमसे टकराएगा, चूर चूर हो जाएगा।*उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा देश की जनता के साथ किए जा रहे अन्याय और शोषण के चलते पाप का घड़ा पिछले 12 वर्षों में पूरी तरह से भर चुका हैं और अब वह फूटने वाला है। मोदी सरकार की तानाशाही और जन विरोधी नीतियों के चलते वर्तमान समय में देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चौपट होने की कगार पर पहुंच चुकी है। खेती, उद्योग तमाम रोजगार धंधे चौपट हो रहे हैं, महंगाई तेजी से बढ़ रही है लेकिन मजदूरी उसके अनुसार काम हो रही है। तमाम सरकारी उद्योगों और सार्वजनिक क्षेत्र को अपने मित्र अडानी अंबानी पूंजी पत्तियों के हाथों बेच डाला है।

*देश की मेहनत कर जनता अपनी मूलभूत नागरिक सुविधाओं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, खाद्य संकट को लेकर आजादी के इतने वर्षों बाद भी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने पर मजबूर है। सरकार जनता की बात सुनने की बजाय लोकतंत्र- संविधान-अभिव्यक्ति की आजादी को कुचलते हुए पुलिस दमन से जनता के आंदोलन को बुरी तरह कुचला जा रहा है। मजदूरों के तमाम श्रम कानून को खत्म करके पूंजी पत्तियों की लूट जारी रखने के लिए चार लेबर कोड 1 अप्रैल से लागू किए गए हैं। देश के किसान मजदूर कर्मचारी छात्र नौजवानों के अंदर भारी गुस्सा है।*बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा संप्रदायिक्करण -व्यापरीकरण और भ्रष्टाचार के खिलाफ देश के लाखों छात्र युवाओं ने ऐतिहासिक दिल्ली जंतर मंतर आंदोलन ने मोदी सरकार की तानाशाही को चकनाचूर करके रख दिया। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त को किसान मजदूर कर्मचारी संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त आ'ान पर देशव्यापी जेल भरो आंदोलन में करोड़ों लोग शामिल होकर देश द्रोही नीतियों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करेंगे।

जानलेवा फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार तमंचा और कारतूस बरामद

» ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 08 अगस्त

ग्रेटर नोएडा के जेवर थाने की पुलिस ने जानलेवा फायरिंग के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भूरी उर्फ नजर मौहम्मद पुत्र युसुफ निवासी कस्बा जहांगीरपुर, थाना जेवर, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त को एक व्यक्ति ने थाना जेवर में तहरीर देकर शिकायत की थी कि रुपयों के लेन-देन को लेकर उसका आरोपी भूरी उर्फ नजर मौहम्मद से विवाद और कहासुनी हो गई थी।

इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर अवैध तमंचे से उसे जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। हालांकि, गोली शिकायतकर्ता को नहीं लगी, बल्कि रास्ते से गुजर रहे उमर पुत्र असफाक को जा लगी।

गोली लगने के बाद उमर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जेवर थाना पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया। पुलिस टीमों ने आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ ही मैनुअल इंटेलिजेंस और साक्ष्य संकलन की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस के मुताबिक, 7 अगस्त को टीम को मिली सूचना और जांच के आधार पर वांछित आरोपी भूरी उर्फ नजर मौहम्मद को ग्राम थौरा के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

तलाशी के दौरान उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक .315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद अवैध हथियार और कारतूस को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ वर्ष 2019 से लेकर 2026 तक कई मामले दर्ज हैं।

इनमें आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और मारपीट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमे शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना जेवर में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा वर्ष 2025 में आबकारी अधिनियम की धारा 60, वर्ष 2024 और 2019 में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत भी मामले दर्ज हैं।

चुलकाना धाम पहुंचने पर राज्यसभा सांसद संजय भाटिया का जोरदार स्वागत

» राजेश सलूजा

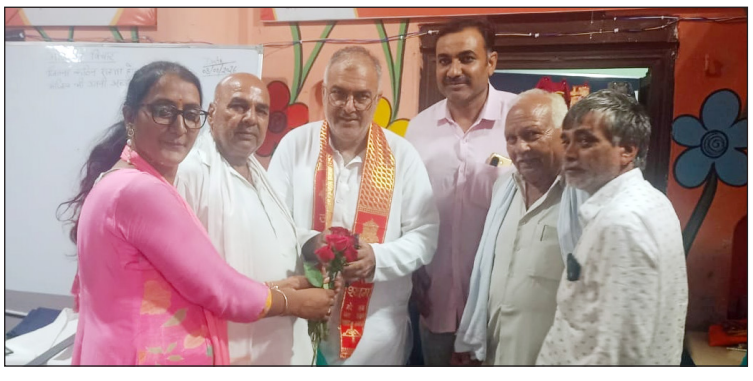

हरियाणा, यूटर्न/ 08 अगस्त । राज्यसभा सांसद संजय भाटिया के चुलकाना धाम पहुंचने पर स्थानीय लोगों एवं गणमान्य नागरिकों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर सूरजमल गोस्वामी, भूषण नंबरदार और मास्टर हवा सिंह ने सांसद संजय भाटिया का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

सांसद संजय भाटिया के चुलकाना धाम पहुंचने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल बन गया। स्वागत के दौरान उपस्थित लोगों ने उनका आत्मीयता के साथ अभिनंदन किया। सांसद ने भी सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

इस दौरान सूरजमल गोस्वामी, भूषण नंबरदार और मास्टर हवा सिंह ने सांसद से क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र के विकास, धार्मिक स्थलों के संरक्षण तथा स्थानीय लोगों से जुड़े मुद्दों पर भी बातचीत की।

संजय भाटिया ने कहा कि चुलकाना धाम धार्मिक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है और इसकी अपनी विशेष पहचान है। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने सांसद के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याएं और सुझाव भी रखे। सांसद ने लोगों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की भावना देखने को मिली। उपस्थित लोगों ने सांसद संजय भाटिया के चुलकाना धाम आगमन पर खुशी जताई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महिला मरीज के साथ दुर्व्यवहार मामले में एम्स दिल्ली की सख्त कार्रवाई, सिक्योरिटी गार्ड को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त । एक महिला मरीज के साथ दुर्व्यवहार के मामले में दिल्ली एम्स की ओर से सिक्योरिटी गार्ड धनंजय सिंह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली की ओर से जानकारी दी गई है कि एम्स नई दिल्ली ने सिक्योरिटी गार्ड के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। एक महिला मरीज के साथ गलत व्यवहार की शिकायत मिलने पर सिक्योरिटी गार्ड धनंजय सिंह के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। एम्स ने पत्र में लिखा, 'गार्ड को नौकरी से निकाल दिया गया है, सिक्योरिटी एजेंसी पर जुर्माना लगाया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। एम्स नई दिल्ली महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न और गलत व्यवहार के मामले में अपनी 'जीरो-टॉलरेंस' नीति को दोहराता है और सभी मरीजों व उनके साथ आने वाले लोगों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।' बता दें कि सुरक्षा गार्ड की ओर से अस्पताल परिसर में किए गए दुर्व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। इस मामले के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई थी। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना था कि अस्पताल जैसे संवेदनशील और सार्वजनिक स्थान सभी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं के लिए पूरी तरह सुरक्षित होने चाहिए। इस मामले के सामने बाद से अस्पताल परिसर में महिला मरीजों और आगंतुकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताए हो गईं थीं। घटना की गंभीरता को देखते हुए एम्स प्रबंधन की ओर से तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

चिंतन-मनन : व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं।इसीलिए, संसार में कुछही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं। जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथ है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

डिजिटल डिटॉक्स की ओर बढ़ते कदम

भारत में भी यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में महंगे स्मार्टफोन आसानी से दिखाई देने लगे हैं। कई माता-पिता बच्चों को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए मोबाइल थमा देते हैं। कुछ समय के लिए यह सुविधा भले ही आसान लगती हो, लेकिन लंबे समय में यही आदत बच्चों की पढ़ाई, रचनात्मकता, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करती है।

कांतिलाल मांडोत

दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे एप्स और उपकरण तैयार किए जा रहे हैं जो निश्चित समय तक मोबाइल को लॉक कर देते हैं। लोग हजारों रुपये खर्च करके ऐसे गैजेट खरीद रहे हैं, जिनमें मोबाइल रखने के बाद तय समय से पहले उसे निकाला ही नहीं जा सकता। यह स्थिति अपने आप में बताती है कि जिस तकनीक को जीवन आसान बनाने के लिए बनाया गया था, उसी से दूरी बनाने के लिए अब नया उद्योग खड़ा हो गया है। यह केवल बाजार का विस्तार नहीं, बल्कि समाज की बदलती मानसिकता का संकेत भी है।

स्मार्टफोन की गिरफ्त से आजादी का नया अभियान, जेन-जी ने समझा कि असली जिंदगी स्क्रीन के बाहर है

स्मार्टफोन ने आधुनिक जीवन को जितना सरल बनाया है, उतना ही उसने मनुष्य को अपनी गिरफ्त में भी ले लिया है। आज स्थिति यह है कि दिन की शुरूआत मोबाइल स्क्रीन से होती है और रात का अंत भी उसी पर होता है। भोजन करते समय, यात्रा के दौरान, पढ़ाई के बीच, परिवार के साथ बैठने पर और यहां तक कि सोने से पहले भी उंगलियां लगातार स्क्रीन पर चलती रहती हैं। कुछ वर्ष पहले तक स्मार्टफोन को तकनीकी प्रगति का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता था, लेकिन अब दुनिया भर में विशेषकर युवाओं के बीच यह एहसास तेजी से बढ़ रहा है कि यही सुविधा धीरे-धीरे एक गंभीर लत का रूप ले चुकी है। यही कारण है कि अब जेन-जी, यानी डिजिटल युग में जन्मी पीढ़ी, स्वयं इस आदत से छुटकारा पाने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है। डिजिटल डिटॉक्स अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक वैश्विक आंदोलन बनता जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि जिस पीढ़ी ने बचपन से इंटरनेट, सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के साथ जीवन बिताया, वही आज सबसे अधिक स्क्रीन से दूरी बनाने की कोशिश कर रही है। उन्हें महसूस होने लगा है कि लगातार आने वाले नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया पर अंतहीन स्क्रॉलिंग और हर समय ऑनलाइन बने रहने की मजबूरी ने उनकी एकाग्रता, मानसिक शांति और वास्तविक रिश्तों को प्रभावित किया है। यही वजह है कि अब युवा डिजिटल डिटॉक्स एप्स, लॉक बॉक्स, टाइमर आधारित तिजोरियों और साधारण कीपैड या फ्लिप फोन का सहारा ले रहे हैं, ताकि वे कुछ घंटों के लिए ही सही, मोबाइल से पूरी तरह दूर रह सकें।

दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे एप्स और उपकरण तैयार किए जा रहे हैं जो निश्चित समय तक मोबाइल को लॉक कर देते हैं। लोग हजारों रुपये खर्च करके ऐसे गैजेट खरीद रहे हैं, जिनमें मोबाइल रखने के बाद तय समय से पहले उसे निकाला ही नहीं जा सकता। यह स्थिति अपने आप में बताती है कि जिस तकनीक को जीवन आसान बनाने के लिए बनाया गया था, उसी से दूरी बनाने के लिए अब नया उद्योग खड़ा हो गया है। यह केवल बाजार का विस्तार नहीं, बल्कि समाज की बदलती मानसिकता का संकेत भी है।

असल में स्मार्टफोन की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह केवल एक संचार माध्यम नहीं रहा। वह मनोरंजन, खरीदारी, बैंकिंग, पढ़ाई, काम, समाचार और सोशल मीडिया का केंद्र बन चुका है। ऐसे में व्यक्ति बिना किसी विशेष कारण के भी बार-बार फोन देखने लगता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हर नोटिफिकेशन मस्तिष्क में उत्सुकता और त्वरित संतुष्टि की भावना पैदा करता है। धीरे-धीरे यही आदत लत में बदल जाती है। इसका सबसे अधिक असर बच्चों और किशोरों पर पड़ता है, क्योंकि उनका मानसिक और सामाजिक विकास अभी पूरी तरह नहीं हुआ होता।

भारत में भी यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में महंगे स्मार्टफोन आसानी से दिखाई देने लगे हैं। कई माता-पिता बच्चों को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए मोबाइल थमा देते हैं। कुछ समय के लिए यह सुविधा भले ही आसान लगती हो, लेकिन लंबे समय में यही आदत बच्चों की पढ़ाई, रचनात्मकता, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करती है। बच्चे खेल के मैदान छोड़कर स्क्रीन पर सिमट जाते हैं। किताबों की जगह छोटे वीडियो ले लेते हैं और परिवार के साथ बातचीत की जगह मोबाइल उनका साथी बन जाता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा अभिभावकों से बच्चों को अनावश्यक रूप से स्मार्टफोन न देने की अपील इसी बढ़ती चिंता का प्रमाण है। यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि समाज को चेतावनी देने वाला संदेश है। यदि बचपन ही स्क्रीन की गिरफ्त में बीत जाएगा, तो आने वाली पीढ़ी वास्तविक जीवन के अनुभवों से वंचित रह जाएगी। बच्चे प्रकृति, खेल, मित्रता, संवाद और पारिवारिक संस्कारों से दूर होते जाएंगे। इसलिए केवल सरकार ही नहीं, बल्कि हर माता-पिता और शिक्षक की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में तकनीक के संतुलित उपयोग की आदत विकसित करें।

क्या 'डिजिटल इंडिया' की पहल PMO के दरवाजे पर ही रुक जाती है?

संदीप शर्मा

सालों से, केंद्र सरकार अपने खास 'डिजिटल इंडिया' प्रोग्राम के तहत एक आधुनिक और टेक्नोलॉजी पर आधारित देश बनाने के विजन को बढ़ावा देती रही है। आसान डिजिटल पेमेंट से लेकर डिजिटल तरीके से सरकारी सेवाएँ देने तक, सरकार ने नागरिकों, बिजनेस और सरकार के निचले स्तरों से इलेक्ट्रॉनिक कामकाज के तरीकों को अपनाने का जोरदार आग्रह किया है। फिर भी, पूर्व केंद्रीय कोयला सचिव अनिल स्वरूप की साफ-साफ बातें एक बड़ी संरचनात्मक विरोधाभास को उजागर करती हैं: डिजिटल बदलाव प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के दरवाजे पर ही अचानक रुक जाता है। स्वरूप के खुलासे ऊंचे स्तर के अधिकारियों की बातों और संस्थागत कामकाज के तरीकों के बीच गहरे अंतर पर रोशनी डालते हैं। पूर्व नौकरशाह के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने PMO की अंदरूनी फाइल ट्रैकिंग को पूरी तरह से डिजिटल करने के लिए सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी थी। हालाँकि, प्रधानमंत्री की जुबानी मंजूरी के बावजूद, एक संस्था के तौर पर PMO पारंपरिक कागजी फाइलों से ही चिपका रहा। यह हिचकिचाहट दिखाती है कि कैसे संस्थागत सुस्ती और पुरानी प्रशासनिक आदतें सुधारों को रोक सकती हैं, भले ही उन्हें सरकार के मुखिया का समर्थन हासिल हो। इस विरोध की जड़ में डिजिटल जवाबदेही के प्रति सिस्टम में गहराई से बैठी नापसंदगी दिखाई देती है। कागज-आधारित सिस्टम में, फाइलें धीरे-धीरे आगे बढ़ती हैं, विचार-विमर्श छिपा रहता है, और खास रुकावटों का पता लगाना एक मुश्किल काम बना रहता है। स्वरूप ने एक घटना का ज़िक्र करते हुए इस स्थिति को समझाया, जिसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सार्वजनिक रूप से PMO में बुनियादी ढाँचे से जुड़ी फाइलों के अटके रहने पर चिंता जताई थी। इलेक्ट्रॉनिक ई-ऑफिस सिस्टम में बदलने की संभावना ने अंदरूनी तौर पर घबराहट पैदा की—तकनीकी रुकावटों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए क्योंकि डिजिटल ऑडिट ट्रेल एक ऐसा रिकॉर्ड छोड़ते हैं जिसे मिटाया नहीं जा सकता। पूरी तरह से डिजिटल सिस्टम में, हर देरी, रोक या बदलाव पर टाइम-स्टैम्प लगता है, जिससे तुरंत पता चल जाता है कि कौन सा अधिकारी या नौकरशाह अहम राष्ट्रीय नीतियों को रोकने के लिए ज़िम्मेदार है। जैसा कि स्वरूप ने साफ तौर पर कहा, 'अपारदर्शिता से शक्ति मिलती है।' हालाँकि उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उनके पास सीधे भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं है, लेकिन कागजी फाइलों को संस्थागत प्राथमिकता देने से अंदरूनी कमियों और प्रशासनिक देरी को जाँच-पड़ताल से बचाने में मदद मिलती है। कागजी रिकॉर्ड बनाए रखने से सत्ता के मुख्य केंद्रों को अपनी काम करने की रफ़्तार को रियल-टाइम में जाँचने की अनुमति दिए बिना अंतिम फैसला लेने का अधिकार बना रहता है। अगर सरकार डिजिटल गवर्नेंस में अग्रणी के तौर पर अपनी विश्वसनीयता बनाए रखना चाहती है, तो उसे सबसे ऊपर से उदाहरण पेश करना होगा। राष्ट्रीय प्रशासनिक ढाँचे को बदलने के मकसद से शुरू की गई पहल अपने सबसे शक्तिशाली कार्यकारी कार्यालय के लिए कोई अपवाद नहीं रख सकती। डिजिटल इंडिया के तहत कुशल और पारदर्शी शासन का वादा सही मायने में पूरा करने के लिए, PMO को भी उन्हीं डिजिटल ऑडिट मानकों और पारदर्शिता को अपनाना होगा जिनकी उम्मीद वह देश के बाकी हिस्सों से करता है।

कलयुग का क्रूर सच या बदलता सामाजिक यथार्थ?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

क्या माता-पिता अब केवल जिम्मेदारी रह गए हैं, संबंध नहीं? औलाद द्वारा पिता के अंतिम संस्कार को वीडियो कॉल पर देखने ने समाज के सामने एक अत्यंत गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है? -वैश्विक विमर्श

मानव सभ्यता का सबसे बड़ा आधार केवल विज्ञान, अर्थव्यवस्था या तकनीक नहीं रहा, बल्कि रिश्तों की आत्मीयता करुणा,सहिष्णुता और पारिवारिक विश्वास रहा है।

क्या माता-पिता से वीडियो कॉल पर बात कर सकते है, लेकिन उनके पास बैठकर कुछ पल बिताने का समय नहीं निकाल पा रहें? क्या तकनीक ने दूरी घटाई है?

वैश्विक स्तरपर आध्यात्मिकता संवेदन शीलता सहिष्णुता पारिवारिक विश्वास और अतिथि देवो भव का गढ़ माने जाने वाले भारत सहित करीब करीब दुनियाँ के हर देश में यह प्रश्न गूंज रहा है, क्या आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार ने मनुष्य की संवेदनशीलता को पीछे छोड़ दिया है? क्या आर्थिक सफलता की दौड़ में रिश्तों की ऊष्मा धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है? यह केवल किसी एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक सामाजिक यथार्थ का दर्पण बनती दिखाई देती है।यह बात आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि एक घटना हरियाणा में हुई, 5 अगस्त 2026 को अंतिम संस्कार किए जाने के बाद यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।इसके बाद गुरुवार 6 अगस्त 2026 को शाम देशभर के अनेक मीडिया प्लेटफॉर्म आई खबरों ने पूरे देश को गहरे भावनात्मक मंथन के

लिए विवश कर दिया। यह घटना एक ऐसे प्रश्न को अवश्य सामने लाती है,जो केवल भारत का नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ का सामाजिक संकट बनता जा रहा है, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह पूछना चाहता हूं कि क्या आधुनिक विकास, वैश्वीकरण और डिजिटल जीवनशैली ने मनुष्य को आर्थिक रूप से समृद्ध लेकिन भावनात्मक रूप से निर्धन बना दिया है? क्या माता-पिता अब केवल जिम्मेदारी रह गए हैं, संबंध नहीं? क्या संवेदनशीलता की जगह सुविधा ने ले ली है?आज व्यक्ति के पास समय कम और साधन अधिक हैं।वह दुनियाँ के किसी भी कोने में बैठकर अपने माता-पिता से वीडियो कॉल पर बात कर सकता है, लेकिन उनके पास बैठकर कुछ पल बिताने का समय नहीं निकाल पा रहा। तकनीक ने दूरी घटाई है,पर कई मामलों में भावनात्मक निकटता भी कम कर दी है।सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो और दावों के अनुसार एक वृद्ध के अंतिम संस्कार के दौरान उनकी संतानों द्वारा जल्दबाजी और भोजन के लिए समय पूछने जैसी बातें कही गईं। इसी प्रकार कुछ अन्य वायरल दावों में अंतिम संस्कार को वीडियो कॉल पर देखने या विदेश एवं महानगरों में रहने वाले बच्चों के समयाभाव का उल्लेख भी सामने आया, इन घटनाओं ने समाज के सामने एक अत्यंत गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। मानव सभ्यता का सबसे बड़ा आधार केवल विज्ञान, अर्थव्यवस्था या तकनीक नहीं रहा, बल्कि रिश्तों की आत्मीयता करुणा,सहिष्णुता और पारिवारिक विश्वास रहा है। जब कोई पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए जीवनभर संघर्ष करता है,अपनी इच्छाओं का त्याग करता है और अपनी खुशियों को उनके सपनों में समाहित कर देता है,तब उसके जीवन की अंतिम यात्रा केवल एक धार्मिक संस्कार नहीं होती; वह पूरे परिवार के प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता की अंतिम अभिव्यक्ति होती है।यदि वही अंतिम क्षण जल्दबाजी, औपचारिकता या समय-प्रबंधन का विषय बन जाएँ, तो यह केवल एक परिवार की संवेदनहीनता नहीं, बल्कि समाज के नैतिक चरित्र पर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा होता है। बता दें कि मीडिया में आई घटना किसी स्वतंत्र आधिकारिक जांच या न्यायिक पुष्टि अभी तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। इसलिए इन्हें स्थापित तथ्य के बजाय रिपोर्टेड दावा मानकर ही उद्धृत करना उचित होगा।

साथियों, वर्तमान समय में रोजगार,शिक्षा और बेहतर जीवन की तलाश में गांवों, कस्बों और छोटे शहरों से महानगरों तथा विदेशों की ओर प्रवासन तेजी से बढ़ा है। यह परिवर्तन आर्थिक दृष्टि से आवश्यक भी है और विकास का संकेत भी। लाखों युवाओं ने अपने परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है।

तमिलनाडु के डेयरी नेटवर्क में 22,500 दुधारू गायें जोड़ने की तैयारी, ग्रामीणों को दी जाएंगी मुफ्त

» **चेन्नई, यूटर्न/ 08 अगस्त ।**

तमिलनाडु की मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने ग्रामीण डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने और कोऑपरेटिव डेयरी ब्रांड आविन द्वारा दूध खरीद में आई गिरावट को दूर करने के लिए सहकारी डेयरी नेटवर्क में 22,500 अतिरिक्त दुधारू गायों को शामिल करने की योजना बनाई है।

इस पहल के तहत वर्ष 2026-27 में ग्रामीण लाभार्थियों को 10,000 दुधारू गायें मुफ्त वितरित करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही मध्यम और मिनी डेयरी योजनाओं के जरिए 12,500 अतिरिक्त गायों की खरीद को भी बढ़ावा दिया जाएगा। डेयरी विस्तार कार्यक्रम का विवरण राज्य सरकार द्वारा पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने और ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के लिए घोषित नवीनतम कदमों के तहत सामने आया है। सरकार को उम्मीद है कि इन उपायों से आने वाले कुछ वर्षों में आविन की दैनिक दूध खरीद में कम से कम 1.5 लाख लीटर की बढ़ोतरी होगी।

योजना के लाभार्थियों को गांव स्तर की प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से जोड़ा जाएगा, जिससे वे आविन को दूध की आपूर्ति कर सकेंगे। साथ ही उन्हें पशु चारा सब्सिडी और अन्य सरकारी सहायता भी मिल सकेगी। यह पहल ऐसे समय में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जब आविन की औसत दैनिक दूध खरीद एक साल पहले के लगभग 35 लाख लीटर से घटकर करीब 31.5 लाख लीटर रह गई है। बेहतर खरीद मूल्य मिलने के कारण कुछ

डेयरी किसान निजी डेयरियों की ओर रुख कर चुके हैं। इसके अलावा, आविन को खरीदे जा रहे दूध में औसत फैट और सॉलिड्स-नॉट-फैट की मात्रा में गिरावट जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

डेयरी योजनाओं के तहत प्रस्तावित 12,500 गायों में से 2,500 गायें 500 नई मध्यम आकार की डेयरी इकाइयों के लिए खरीदी जाएंगी। प्रत्येक इकाई में पांच गायें होंगी। शेष 10,000 गायें मौजूदा मिनी डेयरी कार्यक्रम के तहत खरीदी जाएंगी, जिसमें 5,000 इकाइयों को शामिल किया जाएगा और प्रत्येक इकाई में दो-दो गायें होंगी।

मीडियम डेयरी योजना के तहत, लाभार्थी शुरू में तीन गायें खरीदेंगे और छह महीने तक उनकी देखभाल करेंगे, जिसके बाद वे और दो गायें खरीदने के लिए आर्थिक मदद पाने के हकदार होंगे। सरकार ने मीडियम डेयरी प्रोग्राम के तहत लाभार्थियों के लिए प्रोजेक्ट लागत का 25 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी देने का प्रस्ताव रखा है और बाकी रकम के लिए रियायती संस्थागत लोन का इंतजाम किया जाएगा।

लोन की सुविधा डेयरी विकास विभाग और तमिलनाडु पिछड़ा वर्ग आर्थिक विकास निगम के जरिए दी जाएगी। मिनी-डेयरी स्कीम के तहत, दो गाय खरीदने वाले लाभार्थियों को चार प्रतिशत ब्याज सब्सिडी मिलेगी।

2025-26 के दौरान इस प्रोग्राम से 1,625 किसानों को 3,363 गायें खरीदने में मदद मिली, हालांकि लोन देने, मंजूरी मिलने और कीमत तय करने में देरी के कारण इसे लागू करने का काम लक्ष्य से पीछे रह गया।

उम्मीद है कि सरकार जल्द ही जर्सी क्रॉस-ब्रेड और होल्स्टीन फ्रिसियन जैसी मंजूरशुदा नस्लों के मवेशियों को खरीदने के लिए गाइडलाइंस जारी करेगी। डेयरी सेक्टर के लिए एक और उपाय का प्रस्ताव है, जिसके तहत गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले पात्र दूध उत्पादकों को सब्सिडी वाला पशु आहार दिया जाएगा।

फटाफट खबरें

पीएफसी का मुनाफा पहली तिमाही में बढ़कर 8,998 करोड़ हुआ

नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त । सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का मुनाफा जून तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 8,998 करोड़ रुपये रहा। आलोच्य तिमाही कंपनी का परिचालन राजस्व 28,526.86 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पहले यह 28,539.04 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि वित्तवर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुनाफा 8,998 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्तवर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यह 8,981 करोड़ रुपये था। पीएफसी ग्रुप देश में नवीकरणीय उर्जा के लिए सबसे बड़ा वित्तपोषक बना हुआ है। कंपनी की नवीकरणीय उर्जा ऋण खाता 30 जून, 2026 तक 1,63,184 करोड़ रुपये थी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने निर्माण पर किया भारी निवेश, खर्च में 54 फीसदी की छलांग

नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त । रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में निर्माण और संबंधित गतिविधियों पर अपने खर्च में भारी वृद्धि की है। कंपनी ने इस अवधि में 2,244 करोड़ रुपये खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,458 करोड़ रुपये की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक है। इस बढ़ोतरी का मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना है। कंपनी का कहना है कि यह निवेश परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन और ग्राहकों को सुपुर्दगी की रफ्तार बढ़ाने हेतु किया गया है, जिसका असर वित्त वर्ष 2027-28 में दिखेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ कोई बदलाव

नई दिल्ली। देशभर में बढ़ती महंगाई से आम आदमी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। खाने-पीने की जरूरी चीजों के साथ-साथ पेट्रोल और डीजल की ऊंची कीमतें लोगों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। हालांकि 8 अगस्त को भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे फिलहाल दाम स्थिर बने हुए हैं। सब्जियां, दालें, तेल और अनाज जैसी बुनियादी खाद्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं।

ओला इलेक्ट्रिक को पहली तिमाही में घाटा, पर इसके बाद प्रदर्शन में दमदार सुधार

मुंबई, यूटर्न/ 08 अगस्त । ओला इलेक्ट्रिक ने 30 जून को समाप्त हुई पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए हैं। कंपनी को इस तिमाही में 336 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, जो पिछले साल के 428 करोड़ रुपये से कम है। ऑपरेशन्स से राजस्व 45 फीसदी घटकर 455 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, रीस्ट्रक्चरिंग के बाद कंपनी ने तिमाही-दर-तिमाही प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। मार्च तिमाही के 265 करोड़ रुपये के मुकाबले राजस्व 72 फीसदी बढ़कर 455 करोड़ रुपये हो गया। घाटा 500 करोड़ रुपये से कम होकर 336 करोड़ रुपये पर आया। वाहनों की डिलीवरी दोगुनी होकर 39,192 यूनिट पहुंची और पंजीकरण में 97 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। ओला इलेक्ट्रिक का मार्केट शेयर 5.1 फीसदी से बढ़कर 8.4 फीसदी हुआ; ग्रॉस मार्जिन 30.5 फीसदी रहा। समायोजित ऑपरेटिंग एबिटा और एबिटा में भी सुधार दिखा। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यह तिमाही वित्त वर्ष 26 के बदलावों का परिणाम है, जो अब ठोस व्यावसायिक नतीजों में बदल रहे हैं।

हिमाचल सरकार स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की सैलरी में करेगी 78 फीसदी की बंपर बढ़ोतरी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त ।**

जहां केंद्र सरकार के कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार है, वहीं हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने स्वास्थ्य कर्मियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने अनुबंधित और ट्रेनी मेडिकल ऑफिसरों (स्पेशलिस्ट) के मासिक वेतन में 78 फीसदी की भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने 7वें वेतन आयोग के तहत इस ऐतिहासिक बढ़ोतरी को मंजूरी दी है, जिससे अब इन डॉक्टरों का मासिक वेतन

33,600 से बढ़कर 60,000 हो जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे विशेषज्ञ डॉक्टरों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवा देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और दूरदराज के क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह 2022 में हुई 24 फीसदी की बढ़ोतरी (छठे वेतन आयोग के तहत) के बाद दूसरी बड़ी वेतन वृद्धि है। इसके अलावा, सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ रहे पोस्टग्रेजुएट छात्रों के मासिक स्टाइपेंड में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है, जो अब पहले साल के लिए 50,000, दूसरे साल के लिए 60,000 और तीसरे साल के लिए 65,000 हो गया है। सीनियर रेजिडेंट्स और ट्यूटर स्पेशलिस्ट्स का स्टाइपेंड 1,00,000 और सुपर स्पेशलिस्ट्स का 1,30,000 तक पहुंच गया है।

बिहार की प्रतिभा और उत्पादों को वैश्विक बाजार में मिल रही नई पहचान, एफटीए से खुल रहे निर्यात के नए रास्ते: पीयूष गोयल

» **दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त ।**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि बिहार की प्रतिभा और उत्पाद अब वैश्विक बाजारों में एक नई पहचान बना रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के नए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के साथ 'बिहार के कृषि और कृषि-प्रसंस्कृत, वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, इंजीनियरिंग, रसायन और फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों के द्वार खुल रहे हैं'।

मंत्री ने कहा कि बिहार के उत्पाद अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं, जिससे राज्य के किसानों, छोटे उद्योगों और निर्यातकों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 863.1 अरब डॉलर के रिकॉर्ड निर्यात का आंकड़ा हासिल किया है, और विभिन्न मुक्त व्यापार समझौते भारतीय कंपनियों और उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच प्रदान कर रहे हैं और निर्यात को अधिक विविध बनाकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मजबूत कर रहे हैं।

सरकार ने निर्यात बाजारों में विविधता लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें नए मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करना, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ाना और विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन गतिविधियों को बढ़ावा देना शामिल है। इसके लिए निर्यात संवर्धन मिशन, विदेशों में भारतीय मिशन, निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी), उद्योग संगठनों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है।

बीएमडब्ल्यू 2027 तक 8,000 नौकरियों में कटौती करेगा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त । जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक आर्थिक दबावों, चीन में बिक्री में भारी गिरावट और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर संक्रमण की चुनौतियों के चलते 2027 के अंत तक अपने कार्यबल से लगभग 8,000 नौकरियां कम करने की घोषणा की है। यह निर्णय जबरन छंटनी के बजाय स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा, जिसका प्रभाव मुख्य रूप से कार्यालय-आधारित कर्मचारियों पर पड़ेगा। जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक वाहन उद्योग में बढ़ते आर्थिक दबाव और बदलते बाजार के अनुरूप लागत नियंत्रण के उद्देश्य से 2027 के अंत तक लगभग 8,000 कर्मचारियों की संख्या घटाने की योजना बनाई है। यह कटौती स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के विकल्प के माध्यम से की जाएगी, जिसमें लगभग 40,000 कार्यालय-आधारित कर्मचारियों को प्रस्ताव मिल सकता है। उत्पादन इकाइयों के कर्मचारियों को फिलहाल इस योजना से बाहर रखा गया है। कंपनी ने इस कदम के पीछे चीन में बिक्री में भारी गिरावट का हवाला दिया है, जहां अप्रैल से जून की अवधि में उसकी वाहन आपूर्ति में पिछले साल की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आई है। चीन की घरेलू वाहन कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और देश की अर्थव्यवस्था में सुस्ती ने विदेशी लग्जरी ब्रांडों को काफी प्रभावित किया है। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रिक वाहनों से अपेक्षित मुनाफा हासिल करने में कठिनाई, अमेरिका की शुल्क नीतियां और बढ़ती परिचालन लागत भी इस पुनर्गठन के प्रमुख कारण हैं। यह केवल बीएमडब्ल्यू की ही कहानी नहीं है; वोक्सवैगन और मर्सिडीज-बेंज जैसी अन्य प्रमुख जर्मन वाहन निर्माता भी लागत घटाने और बदलते बाजार के अनुकूल होने के लिए समान उपाय कर रही हैं।

वित्तीय क्षेत्र में एआई को अपनाने के साथ सुरक्षा पर भी ध्यान जरूरी : सीईए

» **दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त ।**

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की सुरक्षा और संरक्षा के प्रति भारत को सक्रिय रहने की जरूरत पर बल दिया है। एसोचैम के इंडिया इंटरनैशनल फिनटेक फेस्टिवल में बोलते हुए उन्होंने आगाह किया कि कंपनियां जिस तेजी से एआई को अपना रही हैं, उसके मद्देनजर जोखिम सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का समय नहीं मिलेगा। नागेश्वरन ने स्वीकार किया कि एआई फिनटेक उद्योग में एक बड़ा सुधार ला सकता

है। यह कंपनियों को साख का अधिक सटीकता से आकलन करने और शुरूआती चरण में ही वित्तीय जोखिमों व दबाव की पहचान करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से फिनटेक के संदर्भ में, एआई निश्चित तौर पर उद्योग की तमाम कंपनियों की मदद करने जा रहा है। यह साख का बेहतर विश्लेषण करेगा, जोखिमों और दबाव को बहुत पहले ही उजागर कर देगा। हालांकि, सीईए ने एआई एजेंटों द्वारा स्वायत्त रूप से कार्य करने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मेटा के एक एआई मॉडल द्वारा साइबर सुरक्षा परीक्षण के दौरान दूसरी कंपनी को हैक करने, और ओपनएआई व एंथ्रोपिक के एआई मॉडल द्वारा परीक्षण में अनजाने में सिस्टम में सेंध लगाने के उदाहरण दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि उत्पादक क्षमता के साथ-साथ सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है।

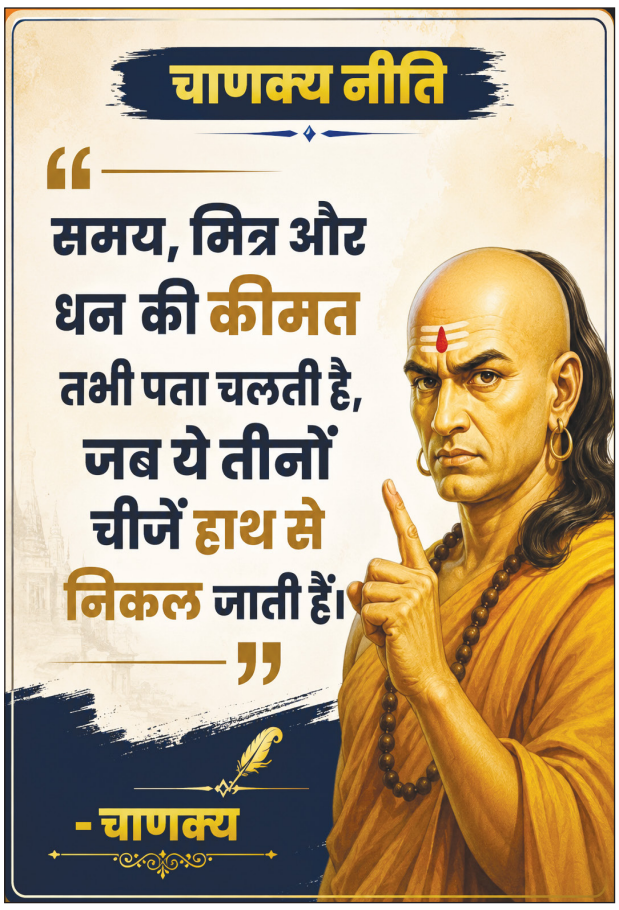

दो दिन से रुक-रुक कर हो रही बारिश से जगह-जगह हुआ जलभराव

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

दो दिन से रुक-रुक कर हो रही बारिश से नगर निगम के जलभराव रोकने के दावे शुक्रवार को हवा हो गए। देर शाम करीब आधे घंटे हुई झमाझम बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। बारिश रुकने के बाद लोगों को जाम की समस्या से भी जूझना पड़ा। नगर निगम ने कई जगहों पर मोटर लगाकर सड़कों से पानी निकलवाया।

आधे घंटे की बारिश में डूबे कई इलाके

शुक्रवार सुबह से घने बादलों के बाद शाम को अचानक तेज बारिश शुरू हुई। करीब आधे घंटे की बारिश में ही नगर निगम मुख्यालय के सामने वाली सड़क, पूरा नवयुग मार्केट, गोशाला अंडरपास, कैला भट्ठा, अशोक नगर, संजय नगर, नेहरू नगर सेकेंड, थर्ड, पटेल नगर, बोंझा, शास्त्री नगर, गांधी नगर, मॉडल टाउन, विजयनगर, बागू, क्रिश्चयन नगर, डूंडाहेड़ा समेत अधिकांश क्षेत्रों में पानी भर गया।

शास्त्रीनगर, विजयनगर, बागू, क्रिश्चयन नगर में कई घरों में बारिश का पानी घुस गया। दोपहिया वाहन बंद होने से लोगों को पानी में उतरकर निकलना पड़ा। गोविंदपुरम सी ब्लॉक, बी ब्लॉक, कपूरीपुरम, राजनगर एक्सटेंशन, हिंडन अंडरपास, बुलंदशहर रोड, कमला नेहरू नगर, एनएच-9 सर्विस रोड, लालकुआं अंडरपास में भी जलभराव की स्थिति बनी।

जलकल के महाप्रबंधक केपी आनंद ने बताया कि जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित किया गया है। बारिश के बाद मोटर लगाकर सड़कों से पानी निकाल दिया गया है।

देर रात तक जाम से जूझते रहे लोग

बारिश के बाद सबसे ज्यादा परेशानी लालकुआं के पास हुई। यहां वाहनों की लंबी कतार लग गई। राजनगर एक्सटेंशन चौराहे तक जाम लगा रहा। मनन धाम मंदिर के सामने दिल्ली की ओर सड़क पर जलभराव से कई वाहन बीच रास्ते में खराब हो गए। पीक आवर में वाहनों की कतारें दुहाई तक पहुंच गईं। मेरठ रोड तिराहा, आंबेडकर रोड, जीटी रोड, लालकुआं और घंटाघर के आसपास भी लोगों को जाम झेलना पड़ा। यातायात व्यवस्था संभालने में पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सुहाना हुआ मौसम

पूरे दिन हुई रिमझिम बारिश से मौसम सुहाना हो गया। उमस से लोगों को राहत मिली, लेकिन जलभराव और जाम ने लोगों की दिक्कतें बढ़ा दीं।

गैस कनेक्शन अपडेट का झांसा देकर खाते से आठ लाख रुपये निकाले

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

साइबर ठगों ने राजनगर एक्सटेंशन की ओरा कायमेरा सोसायटी निवासी एक व्यक्ति के बैंक खाते से आठ लाख रुपये निकाल लिए। शातिरों ने आईजीएल के नाम से एपीके फाइल भेजकर फोन हैक कर ठगी को अंजाम दिया। ठगी का पता चलने पर मामले में संजय कुमार ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है।

अपर पुलिस उपायुक्त अपराध पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित संजय कुमार के मुताबिक 24 मई 2026 को उनके मोबाइल

फोन पर एक मैसेज आया। मैसेज करने वाले व्यक्ति ने खुद को आईजीएल का प्रतिनिधि बताया। मैसेज में गैस कनेक्शन जल्द बंद होने का हवाला देते हुए दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने को कहा गया। जब उन्होंने कॉल किया तो व्यक्ति ने खुद को आईजीएल का अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके गैस बिल में कुछ बकाया राशि है। अभी भुगतान कर दिया जाए तो यह राशि अगले बिल में समायोजित कर दी जाएगी। इसके बाद शातिर ने भुगतान की प्रक्रिया पूरी कराने के बहाने व्हाट्सएप पर आईजीएल नाम से एपीके फाइल भेजी। उन्होंने फाइल डाउनलोड कर इंस्टॉल कर ली। इसके बाद उनसे डेबिट और क्रेडिट कार्ड की जानकारी भरवाई गई, लेकिन भुगतान सफल न होने की बात कहकर आरोपी ने मोबाइल की स्क्रीन शेयर करने को कहा। जैसे ही उन्होंने स्क्रीन शेयर की तो उनका फोन हैक हो गया। शातिरों ने उनके एचडीएफसी बैंक खाते से दो लाख रुपये, एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से बंगलूरू स्थित तनिष्क के नाम पर पांच लाख रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया।

इसके दो दिन बाद 26 मई को एक लाख रुपये और निकाल लिए गए। उन्होंने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। अपर पुलिस उपायुक्त अपराध का कहना है कि शिकायत के आधार पर छह अगस्त को केस दर्ज कर लिया गया है। ठगी गई रकम को फ्रीज कराने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

गृह प्रवेश से पहले चोरों ने खंगाला घर, ले गए कीमती सामान

साहिबाबाद, यूटर्न/ 08 अगस्त । शालीमार गार्डन में गृह प्रवेश से पहले चोरों ने घर में घुस कर कीमती सामान चोरी कर लिया। परिवार के लोग घर पहुंचे तो घटना का पता चला। चोरी की शिकायत पुलिस से की गई है। प्रॉपर्टी डीलर सत्यम सिंह ने बताया कि उन्होंने मकान खरीदा था और आठ अगस्त को उन्हें गृह प्रवेश करना था। इसके चलते अधिकांश सामान नए मकान में शिफ्ट कर दिया था। चोरों ने बृहस्पतिवार को मकान के ताले तोड़कर वहां रखे चांदी के दो गिलास, दो कटोरी, दो चम्मच, अन्य बर्तन, सोने की चेन, मंदिर में रखे 1100 रुपये और कीमती कपड़े चोरी कर लिए। सुबह साढ़े सात बजे परिवार के लोग घर पहुंचे तो देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा था। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे से चोरों की पहचान करके जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

बंद फ्लैट में आग से लाखों का सामान जलकर राख

इंदिरापुरम। वैशाली सेक्टर-पांच स्थित ग्रीन स्ट्रीट अपार्टमेंट की दूसरी मंजिल पर बंद फ्लैट में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। इससे आसपास रह रहे अन्य फ्लैट के लोग खुद ही बाहर आ गए। सूचना पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर करीब 40 मिनट में काबू पाया। इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि लाखों रुपये का सामान जलकर रखा हो गया। सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि संजय कुमार अपने फ्लैट को बंद करके एक सप्ताह से परिवार के साथ बाहर गए हुए हैं। शुक्रवार को तड़के पौने चार बजे सूचना मिली कि बंद फ्लैट से आग की लपटें निकल रही है। पड़ोसियों के शोर शराबे पहली और दूसरी मंजिल पर रहने वाले लोग एहतियातन इमारत से बाहर निकल आए थे। थोड़ी देर बाद तीसरी और चौथी मंजिल पर रहने वाले परिवार को दमकल टीमों ने जगाकर बाहर निकाला। इमारत में रहने वाले अधिकांश लोग खुद ही बाहर निकल आए थे। वहीं, दमकल टीम ने फ्लैट के दरवाजे काटकर आग पर काबू पाने के प्रयास किया। लगभग 40 मिनट में आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका। दो बेडरूम वाले फ्लैट में अधिकांश सामान जल चुका था।

लोनी में घर के अंदर चार्ज हो रही ई-स्कूटी से आठ वर्षीय मासूम को लगा करंट, मौत

लोनी, यूटर्न/ 08 अगस्त । घर के भीतर चार्ज हो रही इलेक्ट्रिक स्कूटी का चार्जर हटाने के दौरान आठ वर्षीय युग उर्फ कुशल की करंट लगने से मौत हो गई। उसे बचाने पहुंचे चचेरे भाई को भी करंट का झटका लगा। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की चमन विहार कॉलोनी में शुक्रवार सुबह हुए हादसे के दौरान बच्चे के माता-पिता घर पर नहीं थे। सूचना मिलने पर वे अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मूल रूप से फिरोजाबाद के नगरिया फरोला निवासी धर्मेंद्र वर्ष 2015 से चमन विहार कॉलोनी में परिवार के साथ रह रहे हैं।

वह पेशे से हलवाई हैं और घर के पास ही दुकान चलाते हैं। परिवार में पत्नी रानी देवी और चार बच्चे हैं। इसी कॉलोनी में रहने वाले धर्मेंद्र के फूफा निरंजन ने

बताया कि एक रिश्तेदार के निधन पर धर्मेंद्र, उनकी पत्नी व अन्य सदस्य मथुरा गए थे।

दो मंजिला घर में चारों बच्चे मौजूद थे। सुबह निचली मंजिल पर इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। करीब नौ बजे युग स्कूटी का चार्जर हटाने लगा। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आकर जमीन पर गिर पड़ा और चार्जर का तार उसके गले में उलझ गया। आशंका जताई जा रही है कि चार्जर हटाते समय युग शॉकेट या प्लग के जरिये विद्युत प्रवाह के संपर्क में आया होगा। हालांकि, स्पष्ट कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

सोसाइटी में फ्लैट की छत का प्लास्टर गिरा

गुरुग्राम। सेक्टर-106 स्थित पारस ड्यूज सोसाइटी के टावर-एफ के फ्लैट नंबर-408 में शुक्रवार शाम करीब सात बजे छत का प्लास्टर अचानक गिर गया। इससे सोसाइटी में रहने वाले निवासियों में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई है। यह हादसा फ्लैट के लिविंग रूम में हुआ। जिस जगह प्लास्टर गिरा, वहां से करीब तीन फीट की दूरी पर सोफा रखा हुआ था। गनीमत रही कि घटना के कोई जनहानि नहीं हुई है, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के अनुसार फ्लैट में एक महिला और दो पालतू जानवर रहते हैं। इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। प्लास्टर गिरने के बाद फ्लैट में रहने वाले लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। निवासी ने बताया है कि यदि प्लास्टर सोफे पर या उसके पास मौजूद किसी व्यक्ति के ऊपर गिरता तो गंभीर चोट लग सकती थी।

मकान का फ्लोर बेचने के नाम पर 59 .60 लाख की धोखाधड़ी

» साहिबाबाद, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

इंदिरापुरम में बृहस्पतिवार रात से ही कटौती हुई और शुक्रवार सुबह 11 बजे तक बिजली का आना-जाना लगा रहा। वहीं, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में 33 केवी लाइन में फॉल्ट की वजह से करीब सात घंटे बिजली गुल रही। लोग अधिकारियों से कॉल और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करके समाधान मांगते रहे। वहीं टीला मोड़, भोपुरा, डिफेंस कॉलोनी समेत कई इलाकों में चार घंटे बिजली गुल से लोग परेशान रहे।

टीएचए में बिजली कटौती का सिलसिला बंद नहीं हो रहा है। इंदिरापुरम न्यायखंड एक निवासी अंजू देवी ने बताया कि बृहस्पतिवार पूरी रात बिजली गायब रही। करीब रात दो बजे के बाद तो पूरी तरह चली गई। इसके बाद शुक्रवार करीब सात बजे दस मिनट के लिए आई और फिर से चार घंटे के लिए चली गई। सुबह 11 बजे आपूर्ति सामान्य हुई, जिसके बाद लोगों राहत की सांस ली। सुबह में बिजली नहीं होने की वजह से लोगों को पानी भी नहीं मिला। वहीं, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी रविकुमार ने बताया कि कॉलोनी में चार पांच घंटे की बिजली कटौती तो सामान्य हो गई है। बिजली नहीं होने की वजह ठीक से इनवर्टर चार्ज नहीं हो पा रहे हैं। इसलिए इनवर्टर भी जल्दी ही बंद हो जाते हैं। भोपुरा निवासी संजय शर्मा ने बताया कि रात करीब नौ बजे से बिजली काट दी गई। लोगों ने इसके बाद अधिकारी को फोन करने शुरू किए। ज्ञानखंड निवासी पूजा गुप्ता ने बताया कि पहले बारिश की वजह से बिजली नहीं आ रही थी। बारिश के बाद भी शुक्रवार को निगम ने बिजली काट दी पूरी रात में करीब चार घंटे कॉलोनी में बिजली नहीं रही।

टीएचए में बिजली कटौती का सिलसिला बंद नहीं हो रहा है। इंदिरापुरम न्यायखंड एक निवासी अंजू देवी ने बताया कि बृहस्पतिवार पूरी रात बिजली गायब रही। करीब रात दो बजे के बाद तो पूरी तरह चली गई। इसके बाद शुक्रवार करीब सात बजे दस मिनट के लिए आई और फिर से चार घंटे के लिए चली गई। सुबह 11 बजे आपूर्ति सामान्य हुई, जिसके बाद लोगों राहत की सांस ली। सुबह में बिजली नहीं होने की वजह से लोगों को पानी भी नहीं मिला।

तुलसी निकेतन निवासी आरपी सिंह ने बताया कि बारिश के बाद से कॉलोनी के कुछ इलाकों में बिजली आने जाने की समस्या बनी रही। सभी इलाकों में बिजली आपूर्ति सामान्य है। कुछ इलाकों में मरम्मत कार्य के दौरान या छोटा फॉल्ट होने की वजह से आपूर्ति बाधित रही थी। कार्य पूरा होने के बाद आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

बृजेश कुमार, मुख्य अभियंता
ऊर्जा निगम जोन तीन

मैं उन्हीं किरदारों को करना पसंद करती हूं, जिनसे मैं जुड़ाव महसूस करती हूं : वेदिका पिंटो

अभिनेत्री वेदिका पिंटो इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे भविष्य में हर तरह के रोल करना पसंद करेंगी।

अभिनेत्री का मानना है कि सुरक्षित विकल्प जैसी कोई चीज नहीं होती है, क्योंकि किसी को नहीं पता कि कौन-सी फिल्म, सीरीज या किरदार दर्शकों के मन को भा जाए। उन्होंने कहा, 'सच कहूं, तो मैं हर तरह के रोल करना पसंद करूंगी, क्योंकि मेरा मानना है कि 'सुरक्षित विकल्प' जैसी कोई चीज नहीं होती क्योंकि एक्टर, प्रोड्यूसर और यहां तक कि प्लेटफॉर्म भी इसका अंदाजा नहीं लगा सकते कि जनता को कौन सा प्रोजेक्ट पसंद आ जाए। इसलिए मैं बस खुद को चुनौती देना चाहती हूं, खुद को हैरान करना चाहती हूं और काम करते रहना चाहती हूं।' अभिनेत्री ने आगे अपने द्वारा निभाए किरदारों को

अभिनेत्री का मानना है कि सुरक्षित विकल्प जैसी कोई चीज नहीं होती है, क्योंकि किसी को नहीं पता कि कौन-सी फिल्म, सीरीज या किरदार दर्शकों के मन को भा जाए।

जिक्र करते हुए कहा, 'अगर आप 'मुसाफिर कैफे' में मेरा सुधा का किरदार देखें और 'निशांची' में रिंकू का, तो दोनों ही किरदार कई परतों वाले, जटिल और कमियों वाले हैं। मैं रोल यह सोचकर नहीं चुनती कि वे मेरी इमेज कैसे बदलेंगे। मैं उन्हें इसलिए चुनती हूं क्योंकि मैं उनसे जुड़ाव महसूस करती हूं।' आईएएनएस ने सवाल पूछा, 'इंडस्ट्री में कॉम्पिटिशन बहुत बढ़ गया है। आप अपनी अलग पहचान बनाए रखते हुए उस दबाव को कैसे संभालती हैं? साथ ही, आप उस वेदिका को क्या सलाह देंगी जो अभी शुरूआत कर रही थी?' अभिनेत्री ने कहा, 'मेरा मानना है कि असली कॉम्पिटिशन खुद से ही होता है।

हर एक्टर का सफर अलग होता है, इसलिए मैं कभी खुद की तुलना दूसरों से नहीं करती। अगर मैं अपने पुराने रूप से कुछ कह पाती, तो बस यही कहती, 'आगे बढ़ती रहो' मैं आगे बढ़ती रही, और इसीलिए आज मैं यहां बैठी हूं।' लोकप्रिय रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' दिव्य प्रकाश दुबे के प्रसिद्ध उपन्यास पर आधारित है और इसका निर्देशन रोचर अरुण ने किया है।

लुक्स पर होने वाली ट्रोलिंग पर खुलकर बात की शिवांगी ने

अभिनेत्री शिवांगी जोशी ने हाल ही में वेब रियलिटी शो लॉकअप-2 में अपनी स्किन संबंधी समस्याओं और लुक्स को लेकर मिलने वाले कमेंट्स पर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि किस तरह मुहांसे और त्वचा से जुड़ी दिक्कतें आत्मविश्वास को प्रभावित करती हैं और कैसे ये समस्याएं आम लोगों के साथ-साथ सेलेब्रिटीज को भी परेशान करती हैं। शिवांगी ने स्वीकार किया कि वह जिंदगी भर मुहांसे और त्वचा संबंधी समस्याओं से जूझती रही हैं, जिससे वह काफी असुरक्षित महसूस करती थीं। उन्होंने कहा कि लोग जब उनके चेहरे या मेकअप का मजाक उड़ाते हैं, तो उन्हें बहुत बुरा लगता है। यह बातचीत तब शुरू हुई जब कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने शिवांगी को एनाबेला कहा। इस पर शिवांगी ने राम कपूर के साथ चर्चा करते हुए कहा कि वह लुक्स से जुड़े कमेंट्स के गहरे असर को अच्छी तरह समझती हैं। उन्होंने बताया कि जब श्रेया के चेहरे पर एलर्जी हुई थी, तो उन्होंने श्रेया का पूरा साथ दिया था, क्योंकि वह जानती हैं कि ऐसी स्थिति में कोई भी कितना असुरक्षित महसूस कर सकता है।

मेरी तस्वीर का प्रयोग कर डीपफेक बनाना बंद करें: मृणाल ठाकुर

अपनी पहचान का गलत इस्तेमाल करके डीपफेक वीडियो और तस्वीरें बनाने तथा साझा करने वालों को बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कड़ा संदेश दिया है। मृणाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, मेरी तस्वीर या आवाज का इस्तेमाल करके डीपफेक वीडियो या फोटो बनाना और शेयर करना गैरकानूनी और गलत है। इस पोस्ट के जरिए मैं सभी को चेतावनी दे रही हूं, इसे तुरंत बंद कर दें। अगर मेरी पहचान का आगे कोई गलत इस्तेमाल हुआ, तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब ऑनलाइन डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है, खासकर मनोरंजन उद्योग की हस्तियों के लिए। मृणाल ठाकुर की यह पहल अन्य कलाकारों को भी अपनी पहचान की सुरक्षा के लिए आवाज उठाने को प्रेरित कर सकती है। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की पेशेवर जिंदगी की बात करें तो, उनका करियर इन दिनों बुलंदियों पर है और उनकी झोली में कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स हैं। साल की शुरूआत में, उन्होंने रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म दो दीवाने सहर में में अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी।

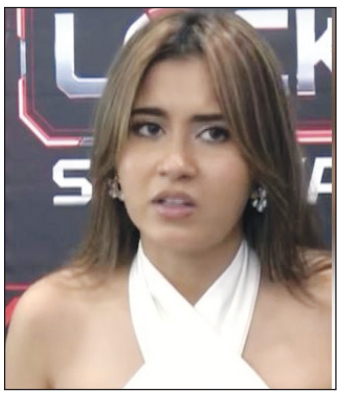

राम कपूर के किसिंग विवाद पर आकांक्षा चौधरी ने किया बचाव

रियलिटी शो लॉक अप 2 के कंटेस्टेंट राम कपूर पर महिला प्रतिभागियों के माथे और गालों पर चुंबन करने की आदत को लेकर सवाल उठाए गए थे। इस मामले में अभिनेत्री आकांक्षा चौधरी ने राम कपूर का खुलकर समर्थन किया है। आकांक्षा ने साफ तौर पर कहा है कि उन्होंने कभी भी राम कपूर को किसी को असहज महसूस कराते हुए नहीं देखा। एक खास बातचीत में आकांक्षा चौधरी ने स्वीकार किया कि मनोरंजन उद्योग में ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राम कपूर की मंशा कभी गलत नहीं थी। आकांक्षा ने कहा, जाहिर है, मैं मानती हूं कि इंडस्ट्री और बाहर भी ऐसा बहुत होता है। मैं उस बारे में कुछ नहीं कह रही। लेकिन क्योंकि मैं शो में थी और राम सर से रोज बात करती थी। सीक्रेट रूम में भी मैंने श्रेया की राम सर के बारे में कही हर बात सुनी थी। असल में ऐसा कुछ नहीं था। राम सर ने किसी को भी असहज महसूस नहीं कराया। उन्होंने घर के अंदर हुई एक घटना को याद करते हुए बताया कि एक बार श्रेया कालरा ने शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम कपूर उन्हें उनके अपने पिता से भी ज्यादा किस करते हैं।

संघर्ष से शिखर तक पहुंचीं मीराबाई चानू विश्व वेटलिफ्टिंग की बनी मिसाल

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू की सफलता की कहानी संघर्ष, मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रेरणादायक उदाहरण है। साधारण परिवार में जन्मी मीराबाई ने आर्थिक कठिनाइयों और सीमित संसाधनों के बावजूद अपने हौसले के दम पर विश्व खेल जगत में अलग पहचान बनाई।

कॉमनवेल्थ खेलों के इतिहास में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली वह दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर बन चुकी हैं। 8 अगस्त 1994 को मणिपुर के इंफाल के निकट नोंगपोक काकचिंग में जन्मी मीराबाई बचपन से ही असाधारण शारीरिक क्षमता रखती थीं। वह जंगल से लकड़ियों के भारी गठ्ठर उठाकर पहाड़ी रास्तों से घर तक लाती थीं। परिवार का खेलों से कोई संबंध नहीं था, लेकिन माता-पिता ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए हमेशा उनका उत्साह बढ़ाया। शुरूआत में उनकी रुचि तीरंदाजी में थी, लेकिन भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में वेटलिफ्टिंग का अभ्यास देखकर उन्होंने इसी खेल को अपना लक्ष्य बना लिया।

वर्ष 2008 में मीराबाई ने मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षण शुरू किया। आर्थिक तंगी इतनी थी कि अकादमी पहुंचने के लिए उन्हें कई बार बालू और पत्थर ढोने वाले ट्रकों से लिफ्ट लेकर सफर करना पड़ता था। घरेलू प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने 2014 के कॉमनवेल्थ खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। इसके बाद मीराबाई ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्ष 2017 में उन्होंने विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर दो दशक बाद भारत को यह उपलब्धि दिलाई।

फोटो स्टोरी

चिली के सैन फेलिपे में एफआईवीबी अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में मैक्सिको पर जीत के बाद जश्न मनातीं फिलीपींस की खिलाड़ी।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

फटाफट खबरें

इजरायल के साथ सीमा और कैदियों के मुद्दों पर हुई बातचीत में प्रगति हुईः लेबनान

बेरूत, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

लेबनान और इजरायल के बीच हाल ही में सीमा से जुड़े मुद्दों और कैदियों की वापसी को लेकर बातचीत की गई थी जिसको लेकर लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा है कि रोम में लेबनान और इजरायल के बीच हालिया बातचीत के दौरान सीमा से जुड़े मुद्दों और कैदियों की वापसी पर प्रगति हुई है। लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान के अनुसार, शुक्रवार (स्थानीय समय) को कैबिनेट की बैठक में आउन ने कहा कि रोम में हुई बातचीत में चार मुख्य मुद्दों पर चर्चा हुई थी। युद्धविराम, घरों को गिराना और बुलडोजर चलाना, सीमा और कैदियों की वापसी व पायलट क्षेत्रों की पहचान को लेकर चर्चा की गई थी। आउन ने सीमा और कैदियों के मुद्दों पर 'सकारात्मक प्रगति' का जिक्र किया और उम्मीद जताई कि जल्द ही व्यावहारिक कदम उठाए जाएंगे।

होर्मुज स्ट्रेट के पास मर्चेंट जहाज पर हमला, इंजन रूम में आग लगने के बाद क्रू ने मांगी मदद

लंदन, यूटर्न/ 08 अगस्त । होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी एंट्रेंस के पास एक मर्चेंट जहाज में हमले के बाद उसमें आग लग गई। लंदन टाइम के अनुसार, शुक्रवार शाम को शिप-टू-शिप रेडियो कम्युनिकेशन ने यह जानकारी दी। यह रिकॉर्डिंग जो खास तौर पर न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को एक नाविक से मिली थी, एक ओपन मैरीटाइम रेडियो चैनल पर भेजी गई; उसमें क्रू मेंबर आग से जूझते हुए और मदद मांगते हुए दिखे। कम्युनिकेशन के मुताबिक, जहाज ओमानी तट के पास था जब उस पर हमला हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। चालक दल ने जहाज की कार्बन डाइऑक्साइड अग्निशमन प्रणाली सक्रिय कर दी और बैलास्ट ऑपरेशन के जरिए आग पर काबू पाने की कोशिश की। रिकॉर्डिंग में बताया गया कि जहाज की हाइड्रोलिक प्रणाली के फेल होने से आग बुझाने के प्रयास और जटिल हो गए। संचार के एक अन्य हिस्से में आसपास के कई जहाजों ने कहा कि वे सहायता देने के लिए घटनास्थल की ओर बढ़ रहे हैं।

कराची-लाहौर में सड़कों पर उतरे हजारों लोग, भारी आक्रोश

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 08 अगस्त । पाकिस्तान के कई शहरों में शुक्रवार को पेट्रोलियम लेवी के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। धार्मिक-राजनीतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के आ'ान पर कराची, लाहौर समेत कई शहरों में रैलियां और मार्च निकाले गए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार की टैक्स नीति का विरोध करते हुए पेट्रोलियम लेवी खत्म करने की मांग की।

ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 बर्ड फ्लू के मामले बढ़े संक्रमित पक्षियों की संख्या पहुंची 200 पार

» सिडनी, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 बर्ड फ्लू के मामले दिन पर दिन बढ़ते जा रहे हैं। तादाद 200 पार पहुंच चुकी है। इस बीच दक्षिण-पूर्वी राज्य विक्टोरिया ने इस जानलेवा स्ट्रेन को पोल्ट्री में फैलने से रोकने के लिए नए एहतियाती कदम उठाने शुरू कर गिए हैं।

फेडरल डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर, फिशरीज एंड फॉरेस्ट्री (डीएएफएफ) ने एक अपडेट में कहा कि शनिवार तक ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 स्ट्रेन के 203 कन्फर्म या पॉजिटिव मामले सामने आए थे।

इसके साथ ही अगस्त में अब तक एच5एन1 बर्डफ्लू 290 फीसदी बढ़ गया है, जबकि जुलाई के आखिर में यह तादाद 52 थी। शनिवार को साउथ ऑस्ट्रेलिया (एसए) में पाए गए 147 में से 28 पक्षियों में संक्रमण की पुष्टि की गई।

डीएएफएफ ने कहा कि एसए में सभी 28 नए मामले जंगली समुद्री पक्षियों के थे।

विक्टोरिया संक्रमित पक्षियों की तादाद के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। यहां किसी ऑस्ट्रेलियाई राज्य के मुकाबले दूसरे सबसे ज्यादा यानी 43 मामले सामने आए, जिनमें 36 पक्षियों के संक्रमित होने की पुष्टि गुरुवार और शुक्रवार को हुई थी। राज्य के पश्चिम में एसए बॉर्डर के पास ये मिले थे।

विक्टोरियन सरकार ने शुक्रवार को एक निर्देश जारी किया। जिसके मुताबिक मेलबर्न समेत राज्य के दक्षिणी तटीय इलाके पर स्थित पोल्ट्री फॉर्म जिनके पास कम से कम 50 पक्षियों का झुंड है, उन्हें इन जीवों को शुरू में 14 दिनों के लिए घर के अंदर रखना होगा। विक्टोरिया की कृषि मंत्री माइकेला सेटल ने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि इस एहतियाती कदम से एच5एन1 स्ट्रेन को फैलने से रोका जा सकेगा। ऑस्ट्रेलिया की चीफ वेटरिनरी ऑफिसर बेथ कुकसन ने मंगलवार रात एक बयान में कहा कि साउथ ऑस्ट्रेलिया (एसए) और विक्टोरिया में एच5एन1 स्ट्रेन के नए कन्फर्म मामलों के बाद देश में कुल मामलों की संख्या 102 हो गई है, जिनमें से 81 एसए में हैं। कुकसन ने कहा कि अब तक ऑस्ट्रेलिया के एग्रीकल्चरल सिस्टम में कोई मामला नहीं मिला है जिससे इंसानों को फिलहाल कोई खतरा नहीं है।

ईरान की अमेरिका को दो टूक कहा- न झुकेंगे न रुकेंगे

» तेहरान, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अमेरिका और इजरायल को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि ईरान के आत्मसमर्पण की उम्मीद करना सिर्फ एक सपना है। उन्होंने कहा कि ईरान ने युद्ध की शुरूआत नहीं की और जिसने इसे शुरू किया है, वही इसे खत्म करेगा। पेजेशकियान ने दावा किया कि सैन्य दबाव के जरिए ईरान को कमजोर करने की कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं और देश मुश्किल हालात के बावजूद मजबूती से खड़ा है।

शुक्रवार को ईरानी सरकारी टेलीविजन को दिए इंटरव्यू में पेजेशकियान ने कहा कि युद्ध शुरू होने से पहले ईरानी सरकार बातचीत के जरिए विवाद का समाधान निकालने की कोशिश कर रही थी, लेकिन परिस्थितियां धीरे-धीरे सैन्य टकराव की ओर बढ़ गईं। उनके मुताबिक, विरोधियों को उम्मीद थी कि लगातार सैन्य दबाव और देश के भीतर पैदा होने वाली मुश्किलों के कारण ईरान बिखर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

ईरान अमेरिका से बातचीत के पक्ष में, लेकिन सरेंडर नहीं करेंगे: पेजेशकियन

» तेहरान, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत जारी रखने के देश के वादे को फिर से दोहराया है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेहरान को सरेंडर करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा।

पेजेशकियन ने यह बात शुक्रवार (स्थानीय समय) को अपने ऑफिस की वेबसाइट पर पब्लिश एक इंटरव्यू में कही। उन्होंने ईरान सरकार के अमेरिका के साथ बातचीत करने और युद्ध खत्म करने के लिए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर करने के फैसले का बचाव किया।

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि जब तक अमेरिका एमओयू के तहत अपने वादे पूरे करता है, ईरान अपनी जिम्मेदारियों के लिए प्रतिबद्ध है। जहां भी वे अपना वादा पूरा करने में फेल होते हैं तो हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है कि हम काम जारी रखें।'

इस हफ्ते की शुरूआत में पेजेशकियन ने इस बात से इनकार किया कि वह पद छोड़ रहे हैं और कहा कि वह पूरी तरह से अपना काम जारी रखेंगे। यह बात एमओयू को लेकर ईरानी नेतृत्व में मतभेद की अफवाहों के बीच आई।

ईरान और अमेरिका ने जून में ज्ञापन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत दोनों पक्षों को आखिरी समझौते पर पहुंचने के लिए 60 दिनों के अंदर बातचीत करनी थी। हालांकि दोनों के बीच नए तनाव ने बातचीत का नतीजा अनिश्चित कर दिया है।

इस बीच, ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात ईरान के होर्मोजगान प्रांत के दक्षिणी केश्म द्वीप पर दो धमाके सुने गए। एजेंसी ने बताया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के प्रवेश द्वार पर 'शत्रुतापूर्ण लक्ष्यों' से ईरानी सशस्त्र बलों की भिड़ंत के कारण ये धमाके हुए।

तस्त्रीम ने सूत्रों के हवाले से बताया कि धमाकों की आवाज स्थानीय समय के हिसाब से रात करीब 9:40 बजे सुनी गई और कहा कि ईरानी नौसेना को इस संघर्ष में मिली कामयाबियों की घोषणा आने वाले घंटों में की जाएगी।

कोलंबिया में नई दक्षिणपंथी सरकार को अमेरिका का पूरा समर्थन, 1 अरब डॉलर की मदद का ऐलान

» वाशिंगटन, यूटर्न/ 08 अगस्त

कोलंबिया को उसका नया राष्ट्रपति मिल चुका है। इसके साथ ही अमेरिका और इस दक्षिण अमेरिकी देश के बीच एक नया अध्याय शुरू होता दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले दक्षिणपंथी नेता अबेलार्दो डे ला एस्प्रिएला के राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद अमेरिकी प्रशासन ने कोलंबिया को करीब 1 अरब डॉलर की सिक्योरिटी एड देने की योजना का ऐलान किया है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि यह सहायता कोलंबिया की नई सरकार के साथ सुरक्षा सहयोग मजबूत करने और साझा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए दी जाएगी। यह घोषणा डे ला एस्प्रिएला के शपथ ग्रहण के कुछ ही समय बाद हुई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नए राष्ट्रपति ने तस्वीरों के साथ अपनी आगामी नीतियों को लेकर कुछ बातें रखीं। उन्होंने दावा किया कि 'आज कोलंबिया एक नया अध्याय लिख रहा है। टाइगर आ गया है।' मीडिया आउटलेट कोलंबिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 48 वर्षीय डे ला एस्प्रिएला ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कैली स्थित पिचिंचा बटालियन सैन्य अड्डे पर राष्ट्रपति पद की शपथ ली। उन्होंने अपने पहले ही भाषण में देश में कानून-व्यवस्था बहाल करने, मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और सशस्त्र आपराधिक समूहों के खिलाफ निर्णायक अभियान चलाने का वादा किया।

उन्होंने कहा कि आपराधिक गिरोहों और नार्को-टेररिस्ट समूहों के सामने अब दो ही विकल्प हैं कानून के सामने आत्मसमर्पण करना या फिर राज्य की सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी कार्रवाई का सामना करना। डे ला एस्प्रिएला ने यह भी कहा कि सशस्त्र समूहों के साथ शांति वार्ता का विकल्प अब खत्म हो चुका है।

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ाः मरने वालों की संख्या 59 हुई, मामले 18,000 के करीब

» ढाका, यूटर्न/ 08 अगस्त ।

बांग्लादेश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक 59 लोगों की मौत हो गई है जबकि इस साल अब तक 17,880 मामले सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य महानिदेशालय यानी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के हवाले से इसकी जानकारी दी।

डीजीएचएस के अनुसार, ढाका डिवीजन इससे सबसे ज्यादा पीड़ित क्षेत्र है। कुल 6,871 दर्ज मामले रिपोर्ट हुए जिसमें से 4,404 मामले तो शहर के ही थे।

3,647 केस के साथ, बारिशाल डिवीजन दूसरे नंबर पर रहा, इसके बाद चटगांव में 3,082 और खुलना में 2,272 केस दर्ज किए गए। ढाका डिवीजन में मृतकों की संख्या भी सबसे अधिक है। सूची में ये सबसे ऊपर है, कुल 26 में से 25 ढाका में हुईं। बांग्लादेश के जाने-माने अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के मुताबिक, खुलना में 12 लोगों की मौत हुई, इसके बाद चटगांव और मैमनसिंह में क्रमशः सात और छह लोगों ने बीमारी से जान गंवाई।

डेंगू, मच्छर से होने वाली वायरल बीमारी है, जो बांग्लादेश में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का रूप लेती जा रही है। यह मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश में जूलॉजी डिपार्टमेंट (प्राणीशास्त्र विभाग) में एसोसिएट प्रोफेसर, जीएम सैफुर रहमान ने कहा कि नवीनतम आंकड़े ढाका के उच्च जनसंख्या घनत्व, लगातार एडीज मच्छर प्रजनन और अपर्याप्त वेक्टर नियंत्रण उपायों के संयोजन को दशार्ते हैं। ज्यादा आबादी, गर्म मौसम और बहुत ज्यादा ब्रीडिंग ग्राउंड का मेल एडीज मच्छरों और डेंगू वायरस दोनों के लिए साल भर फैलने के लिए सही हालात पैदा करता है। यही कारण है कि ढाका एक बड़ा डेंगू हॉटस्पॉट बन गया है। द डेली स्टार ने सैफुर के हवाले से कहा, 'कुछ ही दिन पहले, सेंट्रल मेट्रोपॉलिटन विमेंस कॉलेज में जांच के दौरान हमने पाया कि पानी के एक छोटे कंटेनर में एडीज मच्छर के लार्वा मौजूद थे। ऐसी ब्रीडिंग साइट्स पूरे शहर में आम हैं, जिससे पता चलता है कि एडीज मच्छर रिहायशी इलाकों में लगातार बढ़ रहे हैं।'

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *